www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, मंगलवार
2 जून 2026
वर्षः 49
अंकः 40 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

भालू के हमले में ग्रामीण गंभीर रूप से घायल, हायर सेंटर रेफर

उत्तरकाशी। अस्सी गंगा घाटी के नौगांव में सोमवार सुबह एक ग्रामीण पर भालू ने अचानक हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। नौगांव निवासी 57 वर्षीय जयवीर सिंह पुत्र जीत सिंह रावत सुबह अपनी गोशाला से घर को लौट रहे थे। इसी दौरान मोराई नामे तोक में अचानक वहां छिपे भालू ने उन पर हमला कर दिया। भालू के हमले में वह बुरी तरह जख्मी हो गए। सूचना मिलने पर स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल जयवीर सिंह को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार देने के बाद उन्हें हायर सेंटर रेफर किया। ग्राम प्रधान स्वाति ने बताया कि जयवीर सुबह गोशाला से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सूचना मिली कि भालू ने उन पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि भालू के हमले से ग्रामीणों में भय का माहौल है। वहीं पूर्व बीडीसी सदस्य राकेश रावत ने वन विभाग से जल्द ही भालू की दहशत से निजात दिलाने की मांग की। साथ ही पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि घाटी में हर साल भालुओं के हमले बढ़ते जा रहे हैं। पहले सर्दियों में भालू के हमले सुनाई देते थे लेकिन अब ग्रीष्मकाल में भी भालू के हमले होना चिंतनीय विषय है। विभाग और प्रशासन को इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है और लोगों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने चाहिए।

ट्विशा शर्मा मर्डर मिस्ट्रीः सीबीआई जांच में बड़ा खुलासा

भोपाल , हाई प्रोफाइल ट्विशा शर्मा मौत मामले की जांच कर रही केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के हाथ कई महत्वपूर्ण सुराग लगे हैं। जांच में आरोपी समर्थ की फरारी को लेकर बेहद चौंकाने वाली जानकारियां सामने आई हैं, जिसके बाद सीबीआई ने अपनी तफ्तीश का दायरा और बढ़ा दिया है। सीबीआई की जांच में यह खुलासा हुआ है कि बीते 15 मई को मामले में एफआईआर (स्नढ्ढक्र) दर्ज होने के बाद आरोपी समर्थ तत्काल शहर छोड़कर नहीं भाग पाया था। वह करीब तीन दिनों तक भोपाल में ही छुपा रहा। इसके बाद वह जबलपुर पहुंचा, जहां उसने लगभग पांच दिनों तक फरारी काटी। अब सीबीआई इस पूरी अवधि के दौरान समर्थ के संपर्कों, उसकी गतिविधियों और फरारी काटने में उसे मिली संभावित मदद (शेल्टर देने वालों) की विस्तृत पड़ताल कर रही है।

मामले की तह तक जाने के लिए सीबीआई ने उस डॉक्टर को भी तलब किया है, जिसने ट्विशा को गर्भपात की सलाह दी थी। इसके अलावा, सीबीआई उन कड़ियों को भी जोड़ रही है कि ट्विशा का शव सबसे पहले किसने और किस हाल में देखा था? उसे फंदे से किसने उतारा और अस्पताल तक कैसे पहुंचाया गया? इन सभी घटनाक्रमों की विस्तृत टाइमलाइन और जानकारी हासिल की जा रही है

दरियादिली जान पर पड़ी भारी! बच्ची की जान बचाने नदी में कूदे 5 लोग. लेकिन पांचों डूबे

कुरनूल , आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में इंसानियत और बहादुरी की एक दर्दनाक मिसाल देखने को मिली। तुंगभद्रा नदी में फिसलकर गिरी एक नाबालिग लड़की को बचाने के लिए पांच लोगों ने अपनी जान की परवाह किए बिना नदी में छलांग लगा दी। बच्ची को तो सुरक्षित बचा लिया गया, लेकिन उसे बचाने वाले पांचों लोग तेज बहाव में बह गए। पुलिस के अनुसार, सभी के डूबने की आशंका है और उनकी तलाश जारी है। मंत्रालयम क्षेत्र में तुंगभद्रा नदी के किनारे यह हादसा हुआ। एक नाबालिग लड़की नदी किनारे पैर धो रही थी, तभी उसका संतुलन बिगड़ गया और वह फिसलकर नदी में गिर गई। कुछ ही पलों में वह तेज धारा में बहने लगी। लड़की को बहता देख वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। उसकी जान बचाने के लिए पहले एक व्यक्ति नदी में कूदा, फिर दूसरा और देखते ही देखते कुल पांच लोग बचाव के लिए पानी में उतर गए। काफी प्रयासों के बाद बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, लेकिन इस दौरान तेज बहाव में पांचों लोग लापता हो गए।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंच गया। आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग नदी किनारे जमा हो गए।

आयुष्मान से इलाज फर्जीवाड़े में जीजा–साले पर मुकदमा

देहरादून। दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आयुष्मान कार्ड से धोखाधड़ी से साले का इलाज कराने के मामले में आरोपी जीजा–साले के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो गया है। मुख्य आरोपी अपने कार्ड का इस्तेमाल कर फर्जी तरीके से अपने रिश्तेदार का हृदय रोग विभाग में इलाज करा रहा था। शहर कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शहर कोतवाल हरिओम राज चौहान ने बताया कि अस्पताल के उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एनएस बिष्ट ने तहरीर दी। बताया कि बीते 26 मई को गोविंदगढ़ निवासी मंजीत सिंह ने कार्डियोलॉजी विभाग में डॉ. सलील गर्ग की देखरेख में मरीज को भर्ती कराने के लिए अपना आयुष्मान कार्ड लगाया और बायोमेट्रिक प्रक्रिया पूरी की।

पश्चिम बंगाल में मंत्रिमंडल का विस्तार

राज्यपाल ने 35 नए मंत्रियों को दिलाई शपथ

कोलकाता ,। सोमवार को पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल में 35 नए मंत्रियों को शामिल किया गया। कोलकाता के लोक भवन में राज्यपाल आरएन रवि ने नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी उपस्थित रहे। सोमवार को 13 विधायकों ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली, जबकि 19 राज्य मंत्री और 3 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाए गए हैं। कैबिनेट मंत्रियों में दीपक बर्मन, तपस रॉय, शंकर घोष, मनोज कुमार उरांव, अर्जुन सिंह, गौरी शंकर घोष, स्वपन दासगुप्ता, जगन्नाथ चट्टोपाध्याय, कल्याण चक्रवर्ती, अजय पोद्दार, शरद्वत मुखर्जी, दूध कुमार मंडल और अनुप कुमार दास शामिल हैं। राज्य मंत्रियों में जोएल मुर्मू, हरेकृष्ण बेरा, आनंदमय बर्मन, अशोक डिंडा, नदियार चंद बाउरी, विशाल लामा, शांतनु प्रमाणिक, मौमिता बिस्वास मिश्रा, उमेश रे, पूर्णिमा चक्रवर्ती, कौशिक चौधरी, भास्कर भट्टाचार्य, दिबाकर घरामी, अमिया किस्कू, कलिता माझी, गार्गी दास घोष, बिराज विश्वास, दीपंकर जना और सुमना सरकार को जगह मिली है। इसके अलावा, इंद्रनील खान, मालती राभा रॉय और राजेश महतो ने राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में शपथ ली। 35 नए मंत्रियों के शपथ लेने के बाद राज्य मंत्रिमंडल में कुल मंत्रियों की संख्या बढ़कर 41 हो गई है। 9 मई को पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार बनने के साथ छह मंत्रियों ने शपथ ली थी। इनमें मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के अलावा अग्निमित्रा पॉल, दिलीप घोष, निसिथ प्रमाणिक, अशोक कीर्तनिया और खुदीराम टुडू शामिल थे। पिछले सप्ताह मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी और पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष ने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात कर 35 नए मंत्रियों के नामों को अंतिम रूप दिया था। संभावना है कि नए मंत्रियों के विभागों (पोर्टफोलियो) की घोषणा भी आज ही की जाएगी।

लेबनान पर हमलों से भड़का ईरान, अमेरिका से बातचीत रोकी

तेहरान। पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर तेजी से बढ़ता दिखाई दे रहा है। ईरान ने लेबनान पर इस्राइली हमलों के विरोध में अमेरिका के साथ चल रही बातचीत को रोकने का फैसला किया है। ईरान का कहना है कि लेबनान में जारी हमले युद्धविराम का खुला उल्लंघन हैं। इसी के साथ ईरान समर्थित समूहों ने होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर के अहम समुद्री रास्तों को बंद करने की चेतावनी भी दी है।

ईरानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तेहरान ने साफ कहा है कि जब तक गाजा और लेबनान में इस्राइली सैन्य कार्रवाई नहीं रुकती, तब तक अमेरिका के साथ कोई बातचीत नही होगी। ईरान ने लेबनान से इस्राइली सेना की पूरी वापसी की भी मांग की है। वही अमेरिका की तरफ से इस मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

इसी हफ्ते से कर सकेंगे हेली टिकट की बुकिंग

15 जून से आगे की यात्रा के लिए खुलेगा स्लॉट

देहरादून ,चारधाम यात्रा में केदारनाथ हेली सेवा के लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग का स्लॉट जून के पहले सप्ताह में खोलने की तैयारी है। दूसरे चरण में 15 जून से आगे की यात्रा के लिए टिकट बुकिंग की जाएगी। उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) ने केदारनाथ हेली सेवा के लिए पहला स्लॉट 15 अप्रैल को खोला था और 22 अप्रैल से 15 जून तक की यात्रा के लिए ऑनलाइन टिकट बुकिंग की थी। एक घंटे के भीतर से 33 हजार से अधिक टिकट बुक हो गए थे। अब यूकाडा बुकिंग का दूसरा स्लॉट खोलने की तैयारी कर रहा है। इसमें 15 जून से आगे की यात्रा के लिए बुकिंग की जाएगी। यूकाडा के सीईओ डॉ.आशीष चौहान ने बताया कि जल्द ही बुकिंग तिथि घोषित की जाएगी। मौसम विभाग ने रुद्रप्रयाग में भारी बारिश, आंधी–तूफान और प्रतिकूल मौसम की आशंका जताई है। मौसम को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है ऐसे में प्रशासन ने एहतियातन केदारनाथ यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया गया।

हरिद्वार में ग्रेटर नोएडा के कांवड़िए को मारी गोली

हरिद्वार। हरिद्वार में गंगाजल लेकर लौट रहे ग्रेटर नोएडा के एक कांवड़िए को अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। गोली लगने से कांवड़िया गंभीर रूप से घायल हो गया। देर रात हुए इस गोलीकांड से इलाके में हड़कंप मच गया। कनखल थाना क्षेत्र स्थित गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के पास हाईवे की यह घटना बताई जा रही है। कांवड़िए की नाजुक हालत को देखते हुए ऋषिकेश एम्स हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। कंधे में गंभीर रूप से जख्मी कांवड़िए को पहले एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत नाजुक होने पर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने रात को ही फरार आरोपियों की तलाश में घेराबंदी की और उन तलाश की जा रही है। घायल युवक की पहचान अजय के रूप में हुई है, ग्रेटर नोएडा का रहने वाला है। वह अपने साथियों के साथ रविवार को हरिद्वार से गंगाजल लेकर नोएडा लौट रहा था। रात अधिक होने के कारण कांवड़ियों का दल गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के पास हाईवे किनारे रात्रि विश्राम करने लगा। कांवड़ियों के मुताबिक, हाईवे के ऊपर बने पुल पर कुछ युवक शराब पी रहे थे।

लुधियाना की फैक्ट्री में गैस लीक, बाप–बेटे समेत अब तक तीन मौत

लुधियाना ,पंजाब के लुधियाना में सोमवार तड़के हुए एक दर्दनाक औद्योगिक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। पाना–चाबी बनाने वाली एक फैक्ट्री में अचानक जहरीली गैस का रिसाव होने से वहां काम कर रहे मजदूरों में अफरा–तफरी मच गई। हादसे में पिता और पुत्र सहित तीन की दम घुटने से मौत हो गई, जबकि कई अन्य मजदूरों की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद फैक्ट्री परिसर और आसपास के इलाके में दहशत का माहौल बन गया। मृतकों की पहचान मान सिंह और उनके पुत्र अमित के रूप में हुई है, जबकि तीसरे मृतक का नाम श्रीराम है। तीनों फैक्ट्री में कार्यरत थे और रोज की तरह सोमवार सुबह भी अपनी ड्यूटी पर पहुंचे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह कामकाज सामान्य रूप से चल रहा था।

फर्जी हस्ताक्षर विवाद ने बढ़ाई टीएमसी की मुश्किलें

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में इस समय फर्जी हस्ताक्षर विवाद ने बड़ा राजनीतिक संकट खड़ा कर दिया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के चयन को लेकर उठे इस विवाद ने तृणमूल कांग्रेस के भीतर भी हलचल बढ़ा दी है। पार्टी ने अपने दो विधायकों संदीपन साहा और रितब्रत बनर्जी को निष्कासित कर दिया है। इन दोनों पर पार्टी विरोधी गतिविधियों और नेतृत्व की बैठकों में शामिल नहीं होने का आरोप लगाया गया है। मामला तब और गर्म हो गया जब मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि दोनों विधायकों ने विधानसभा में कथित फर्जी हस्ताक्षर मामले को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। यह पूरा विवाद उस पत्र को लेकर शुरू हुआ, जिसे टीएमसी ने विधानसभा सचिवालय को सौंपा था। इस पत्र में शोभनदेब चट्टोपाध्याय को नेता प्रतिपक्ष बनाने के समर्थन में करीब 70 विधायकों के हस्ताक्षर बताए गए थे। लेकिन जांच के दौरान कुछ हस्ताक्षरों को संदिग्ध पाया गया। इसके बाद मामला पुलिस जांच तक पहुंच गया। विधानसभा सचिवालय ने भी कोलकाता के हेर स्ट्रीट थाने में शिकायत दर्ज कराई।

क्या है फर्जी हस्ताक्षर विवाद?

पुलिस सूत्रों के अनुसार टीएमसी ने सबसे पहले 6 मई को नेता प्रतिपक्ष के मुद्दे पर एक पत्र विधानसभा को भेजा था। लेकिन इसे यह कहकर खारिज कर दिया गया कि यह टीएमसी विधायक दल की ओर से नहीं भेजा गया था। इसके बाद 19 मई को दूसरा पत्र भेजा गया,

सुप्रीम कोर्ट को पांच नए जज मिले

राष्ट्रपति ने नियुक्ति पर लगाई मुहर

नई दिल्ली ,सुप्रीम कोर्ट में पांच नए न्यायाधीश नियुक्त किए गए हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अगुवाई वाले कॉलेजियम ने हाल ही पांच नामों की सिफारिश राष्ट्रपति को भेजी थी। इनमें चार अलग–अलग हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शामिल हैं, जबकि एक वरिष्ठ अधिवक्ता का नाम भी सूची में शामिल है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इन नियुक्तियों को मंजूरी दे दी है।

इसकी जानकारी केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दी। अर्जुन राम मेघवाल ने एक्स पर लिखा, भारत के संविधान के अनुच्छेद 124 के खंड (2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के बाद न्यायमूर्ति शील नागू (पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट), न्यायमूर्ति चंद्रशेखर (बॉम्बे हाईकोर्ट), न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा (मध्य प्रदेश हाईकोर्ट), न्यायमूर्ति अरुण पल्ली (जम्मू–कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट) तथा वरिष्ठ अधिवक्ता वी. सुब्रमणि मोहना को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया है। मैं सभी को शुभकामनाएं देता हूं।

वी. सुब्रमणि मोहना उन चुनिंदा लोगों में शामिल हैं, जिन्होंने वकालत से सीधे सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बनने तक का सफर तय किया है। वह ऐसे परिवार में जन्मीं, जिसका कानून के पेशे से कोई संबंध नहीं था। वर्ष 1983 में जब भारत में पहली बार पांच वर्षीय एकीकृत विधि पाठ्यक्रम शुरू किया गया, तब उन्होंने कोयंबटूर के गवर्नमेंट लॉ कॉलेज के पहले बैच में प्रवेश लिया था।

पटना हाईकोर्ट का आदेश रद्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कहा कि सरकार अपने कर्मचारियों के साथ भेदभाव नही कर सकती। कोर्ट ने साफ किया कि अगर अस्थायी कर्मचारी भी स्थायी कर्मचारियों की तरह ही काम कर रहे हैं, तो उन्हें मिलने वाले लाभों से वंचित रखना गलत है। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने पटना हाई कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें डाक विभाग में दशकों तक सेवा देने वाले अस्थायी कर्मचारियों को पेंशन देने से मना कर दिया गया था।अदालत ने कहा कि कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के मामले में समान होने के बावजूद किसी एक वर्ग को लाभ न देना संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि लंबे समय तक सेवा देने वाले कर्मचारी, चाहे वे कैजुअल हों या अस्थायी, उन्हें सामाजिक सुरक्षा और पेंशन जैसे लाभों से दूर नही रखा जा सकता।

पवन कल्याण की हैदराबाद सभा को नहीं मिली पुलिस की अनुमति

हैदराबाद । आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और जनसेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण की सभा को पुलिस ने अनुमति देने से मना कर दिया है। इस सभा का नाम 'तेलंगाना नवनिर्माण संकल्प सभा' रखा गया है। जनसेना पार्टी की तेलंगाना इकाई ने इस बात की जानकारी दी है। पुलिस से अनुमति न मिलने के बाद पार्टी ने अब तेलंगाना हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पार्टी के एक नेता ने बताया कि वे हाई कोर्ट के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। अदालत की सुनवाई के बाद ही आगे की जानकारी साझा की जाएगी। पवन कल्याण की इस सभा को लेकर समर्थकों में काफी उत्साह था, लेकिन पुलिस के इस फैसले से कार्यक्रम पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। अब सबकी नजरें कोर्ट के आदेश पर टिकी हैं।

सीएम योगी बोले– दोस्ती की आड़ में नहीं चलेगी छुरेबाजी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बिजनौर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान गाजियाबाद के सूर्या चौहान हत्याकांड का जिक्र करते हुए कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि दोस्ती के नाम पर हिंसा और छुरेबाजी जैसी घटनाएं किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं हैं।

गाजियाबाद की घटना ने झकझोर दिया

सीएम योगी ने कहा कि गाजियाबाद की यह घटना बेहद दुखद है और इसने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने अभिभावकों की जिम्मेदारी पर जोर देते हुए कहा कि यदि माता–पिता अपने बच्चों को सही संस्कार और दिशा देने में असफल रहते हैं, तो यह गंभीर चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हमेशा कानून का सम्मान करने वाले आम नागरिकों के साथ खड़ी है। वहीं, कानून–व्यवस्था को चुनौती देने वाले और समाज में अशांति फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे पर भयानक हादसा, कंटेनर से टकराई कार, तीन की मौत

आगरा ,आगरा–लखनऊएक्सप्रेसवे पर एक भीषण सड़क हादसे ने तीन परिवारों की खुशियां छीन ली। बिहार से राजस्थान जा रही एक तेज रफ्तार कार आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी भयावह थी कि कार का अगला हिस्सा कंटेनर के भीतर तक घुस गया और वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसा रविवार रात करीब 1:45 बजे आगरा–लखनऊएक्सप्रेसवे के किलोमीटर 36+950 पर हुआ। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि लंबी यात्रा के दौरान चालक को झपकी आ गई, जिसके चलते कार अनियंत्रित होकर कंटेनर से जा भिड़ी।

वायु सेना को मिलेंगे 114 राफेलः 94 विमानों का उत्पादन भारत में होगा

नई दिल्ली ,भारत ने वायु सेना के लिए 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए फ्रांस को करीब 3.25 लाख करोड़ रुपये के बड़े सरकारी समझौते का अनुरोध पत्र (एलओआर) भेज दिया है। यह रक्षा क्षेत्र में एक अहम कदम माना जा रहा है। रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ सूत्रों ने बताया कि पिछले हफ्ते रक्षा मंत्रालय के अधिग्रहण विभाग ने यह अनुरोध पत्र फ्रांसीसी सरकार को भेजा। इस समझौते के तहत 114 में से 94 राफेल विमान भारत में बनाए जाएंगे। फ्रांसीसी कंपनी डसॉ एविएशन एक भारतीय साझेदार कंपनी के साथ मिलकर इन विमानों का निर्माण करेगी। सूत्रों के अनुसार, फ्रांस अगले दो से तीन महीनों में भारत के अनुरोध पत्र का जवाब दे सकता है। दोनों देशों के बीच बातचीत पूरी होने और समझौते को अंतिम रूप देने में करीब एक साल का समय लग सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जून के मध्य में फ्रांस की यात्रा पर जा सकते हैं। इस दौरान फ्रांसीसी नेतृत्व के साथ होने वाली बैठकों में राफेल सौदे पर भी चर्चा होने की संभावना है। वायु सेना इस समय लड़ाकू विमानों की स्क्वाड्रनों की कमी का सामना कर रही है। इस कमी को दूर करने के लिए उन्नत 4.5 पीढ़ी के राफेल विमानों को बड़ी संख्या में शामिल करने की योजना पर काम किया जा रहा है।

भारत की राजनीति में घुसने की साजिश रच रहा पाकिस्तान

श्रीनगर , जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लगातार सख्त होती कार्रवाई से बौखलाई पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई अब एक नई रणनीति के तहत भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में घुसपैठ की कोशिश कर रही है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, आईएस–ाआई ने अपने समर्थक नेटवर्क और ओवर ग्राउंड वर्कर्स को मुख्यधारा की राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होकर काम जारी रखने के निर्देश दिए हैं, ताकि सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी से बचा जा सके और आतंकी तंत्र को नया आवरण प्रदान किया जा सके। सूत्रों के मुताबिक, हाल के महीनों में हुई कई गिरफ्तारियों और पूछताछ के दौरान ऐसे संकेत मिले हैं कि कुछ संदिग्ध तत्व राष्ट्रीय स्तर की राजनीतिक पार्टियों से जुड़े होने का दावा कर रहे थे। जांच एजेंसियां इस पहलू की गंभीरता से पड़ताल कर रही हैं।

आतंकवाद को 'स्थानीय आंदोलन दिखाने की कोशिश

सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि आईएसआई का उद्देश्य जम्मू–कश्मीर में जारी आतंकवादी गतिविधियों को सीमा पार से संचालित प्रॉक्सी वॉर के बजाय स्थानीय असंतोष का रूप देना है। इसके लिए ऐसे संगठनों को फिर से सक्रिय करने की कोशिश की जा रही है, जो 1990 और 2000 के दशक में घाटी में आतंक का प्रमुख चेहरा रहे थे। एजेंसियों के अनुसार, इन प्रयासों का मकसद आतंक के वित्तपोषण, भर्ती और नेटवर्किंग को राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों की आड़ में छिपाना भी हो सकता है।

पुराने आतंकी संगठनों को दोबारा सक्रिय करने की कोशिश

खुफिया रिपोर्टों में संकेत मिले हैं कि आईएसआई ने कुछ निष्क्रिय और कमजोर पड़ चुके आतंकी संगठनों को फिर से सक्रिय करने का प्रयास तेज कर दिया है। इनमें अल–उमर मुजाहिदीन, अल–बदर और तहरीक–उल–मुजाहिदीन जैसे संगठन शामिल बताए जा रहे हैं, जिन्होंने अतीत में जम्मू–कश्मीर में बड़े पैमाने पर हिंसा को अंजाम दिया था।

सुरक्षा एजेंसियां इन संगठनों से जुड़े पुराने नेटवर्क, वित्तीय गतिविधियों और सोशल मीडिया संपर्कों पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं।

राजनीतिक पहचान का दुरुपयोग करने का आरोप

अधिकारियों के अनुसार, कई मामलों में संदिग्ध तत्वों ने सुरक्षा जांच या तलाशी अभियान के दौरान खुद को किसी राजनीतिक दल से जुड़ा बताकर जांच से बचने की कोशिश की। हालांकि एजेंसियों का कहना है कि किसी भी राजनीतिक दल की सदस्यता कानून से ऊपर नहीं है और यदि किसी व्यक्ति की आतंक या राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में संलिप्तता पाई जाती है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाती है।

सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ जारी अभियानों और स्थानीय स्तर पर घटते समर्थन के कारण आईएसआई के नेटवर्क पर दबाव बढ़ा है। ऐसे में एजेंसियों का मानना है कि पाकिस्तान समर्थित तंत्र अब नए तरीकों से अपनी मौजूदगी बनाए रखने की कोशिश कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने 276 अभ्यर्थियों को दिये नियुक्ति पत्र

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्यसेवक सदन में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग, प्राविधिक शिक्षा विभाग, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग तथा वन विभाग के अंतर्गत चयनित कुल 276 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। जिसमें वन विभाग के अंतर्गत 109, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत 88, प्राविधिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत 65 एवं नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग में चयनित 14 अभ्यर्थी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नियुक्ति पत्र प्राप्त करना केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि जनसेवा के नए दायित्व की शुरुआत है। कहा कि वर्षों के परिश्रम, अनुशासन, संघर्ष और धैर्य के बाद युवाओं को यह सफलता प्राप्त हुई है, जो उनकी प्रतिभा, आत्मविश्वास और समर्पण का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने भर्ती प्रक्रियाओं को पूर्णतः पारदर्शी, निष्पक्ष एवं जवाबदेह बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। नकल माफियाओं और भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए राज्य में देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है। इसके परिणामस्वरूप आज प्रदेश में युवाओं की सफलता का आधार केवल उनकी योग्यता और मेरिट है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कि पिछले साढ़े चार वर्षों में लगभग 33 हजार युवाओं को पूर्ण पारदर्शिता एवं मेरिट के आधार पर सरकारी सेवाओं से जोड़ने का कार्य किया गया है। उन्होंने नवचयनित कार्मिकों से अपेक्षा की कि वे अपनी कार्यकुशलता, ईमानदारी, संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा के माध्यम से जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि व्यवस्था में जब योग्य और कर्मठ युवा आगे आते हैं, तब विकास योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता है। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों में चयनित युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के कार्मिक प्रदेश के सुनियोजित विकास में योगदान देंगे, प्राविधिक शिक्षा विभाग से जुड़े युवा तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को नई दिशा देंगे, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के कार्मिक मातृ एवं बाल कल्याण से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों का निर्वहन करेंगे तथा वन विभाग में चयनित युवा राज्य की वन संपदा एवं जैव विविधता के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

ओवरटेक को लेकर विवाद में रेस्टोरेंट संचालक का सिर फोड़ा

देहरादून। ओवरटेक को लेकर हुए विवाद में दबंगों ने रेस्टोरेंट संचालक पर हमला कर दिया। दो वाहन में सवार होकर आए दो युवकों और दो युवतियों ने बीच सड़क पर युवक की गाड़ी रुकवाकर मारपीट की और लोहे के कड़े से वार कर उसका सिर फोड़ दिया। बीच–बचाव करने आई बहन के साथ भी गाली–गलौज और मारपीट की गई। पुलिस ने तीन नामजद समेत चार लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। नेहरू कॉलोनी निवासी तनीषा सचदेवा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीते शनिवार को उनका भाई आयुष सचदेवा घर से आराघर स्थित अपने रेस्टोरेंट जा रहा था। आराघर के पास दो वाहनों में सवार दो लड़कियों और दो लड़कों ने आयुष की गाड़ी को ओवरटेक कर जबरन रोक लिया। आरोप है कि उन्होंने आयुष के साथ गाली–गलौज की और मारपीट शुरू कर दी। पीछे से मौके पर पहुंची तनीषा ने जब बात करनी चाही तो आरोपियों ने उनके साथ भी अभद्रता की। इसी दौरान आरोपियों ने आयुष के सिर पर लोहे के कड़े से जोरदार वार कर दिया।

खस्ताहाल तीन सड़कों की डामरीकरण होने की जगी उम्मीद

नई टिहरी। चंबा ब्लॉक की दो और थौलधार की एक खस्ताहाल सड़क पर डामरीकरण होने की उम्मीद जगी है। करीब 11 किमी सड़क पर डामरीकरण कार्य के लिए 1.72 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति मिली है। लोनिवि चंबा इस माह के अंत तक टेंडर प्रक्रिया पूरी कर कार्य शुरू करेगा। चंबा ब्लॉक के नागणी–स्वाड़ी, जड़धार गांव–नागदेव पत्थल्ड, जड़धार से इंडवाल गांव मोटर मार्ग और थौलधार ब्लॉक के काफलपानी–हुंडखाल मोटर मार्ग की स्थिति लंबे समय से खस्ताहाल बनी हुई थी। मरम्मत के अभाव में कई स्थानों पर सड़क से डामर उखड़ चुका था और गड्ढे बने हुए है। वाहन चालकों और ग्रामीणों को जोखिमभरा सफर करने को मजबूर होना पड़ रहा है। स्थानीय लोग लंबे समय से उक्त सड़कों के डामरीकरण की मांग करते आ रहे है। कई बार जनप्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों के समक्ष भी यह मामला उठाया गया। लंबे इंतजार के बाद अब उक्त मार्गों के डामरीकरण के लिए वित्तीय स्वीकृति मिलने से लोगों में राहत मिलने की उम्मीद जगी है। नागणी–स्वाड़ी और जड़धार गांव–नागदेव पत्थल्ड सड़क पर डामरीकरण के लिए 87 लाख, जड़धार से इंडवाल गांव मोटर मार्ग के लिए 55 लाख और काफलपानी–हुंडखाल मोटर मार्ग पर डामरीकरण के लिए 30 लाख की स्वीकृति मिली है।

चंबा ब्लॉक की दो और थौलधार ब्लॉक की एक सड़क पर डामरीकरण के लिए वित्तीय स्वीकृति मिल चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

घनसाली में केंद्रीय विद्यालय संचालन की कवायद शुरू

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक मुख्यालय घनसाली में केंद्रीय विद्यालय का संचालन शुरू करने के लिए जिला प्रशासन ने कवायद शुरू कर दी है। इस संबध में डीएम नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजकीय इंटर कॉलेज घुमेटीधार को बालिका इंटर कॉलेज घनसाली में मर्ज किए जाने और इंटर कालेज घुमेटीधार में केंद्रीय विद्यालय शुरू करने पर चर्चा की गई। बैठक में शिक्षा विभाग के अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों बताया कि घुमेटीधार इंटर कॉलेज परिसर में केंद्रीय विद्यालय स्थापना के लिए पर्याप्त भूमि और आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। डीएम ने अधिकारियों को अभिभावकों और शिक्षकों के साथ बैठक आयोजित कर उनकी राय और सुझाव प्राप्त करने के निर्देश दिए। केंद्रीय विद्यालय संचालन की सभी औपचारिकताएं जल्द पूरी करने को कहा। बैठक में डीईओ बेसिक पूनम चौहान, घनसाली नगर पंचायत अध्यक्ष आनंद सिंह बिष्ट, खंड शिक्षा अधिकारी सुमेर सिंह कैंतुरा, केंद्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रदीप थपलियाल मौजूद रहे।

एसएसपी ने नैनबाग–डामटा यात्रा मार्ग पर सुरक्षा का किया निरीक्षण

नई टिहरी। चारधाम यात्रा और पर्यटन सीजन में यातायात व्यवस्था का जायजा लेने के लिए एसएसपी श्वेता चौबे ने कोतवाली कैंपटी का औचक निरीक्षण किया। उसके बाद मसूरी बैंड से नैनबाग–डामटा चारधाम यात्रा मार्ग पर सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, पुलिस सहायता केंद्रों, पार्किंग स्थल और श्रद्धालुओं व पर्यटकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने नैनबाग पुलिस चौकी के लिए आवंटित जमीन संबंधी प्रकरण जल्द निपटा कर अग्रिम कार्यवाही शुरू करने के निर्देश दिए। कैंपटी में स्थित कोतवाली का औचक निरीक्षण करने पहुंची एसएसपी ने कोतवाली परिसर, अभिलेख, मालखाना, हवालात, सीसीटीएनएस कार्य, महिला हेल्प डेस्क, शिकायत पंजिका, आपदा और यात्रा प्रबंधन से संबंधित तैयारी, कार्यालय की व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए प्रभारी निरीक्षक योंगेंद्र सिंह गुसाईं को लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण, कोतवाली परिसर में सफाई व्यवस्था चाकचौबंध रखने और अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस आम जनता के साथ संवेदनशील और मित्रवत व्यवहार रखकर प्रभावी पुलिसिंग का उदाहरण प्रस्तुत करें। उन्होंने यात्रा मार्गों के निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्थाओं, यातायात प्रबंधन, पार्किंग स्थलों, पुलिस सहायता केंद्रों, ड्यूटी प्वाइंटों और श्रद्धालुओं व पर्यटकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का भी अवलोकन किया।

सामान लदे घोड़े को पुलिस ने लौटाया

उत्तरकाशी। यमुनोत्री धाम यात्रा के दौरान एक बार फिर स्थानीय व्यवस्थाओं को लेकर विवाद सामने आया है। यमुनोत्री धाम के तीर्थ पुरोहित आशुतोष उनियाल ने जानकीचट्टी पुलिस चौकी में तैनात पुलिस कर्मियों पर मनमानी व अभद्र व्यवहार करने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना के बाद पुरोहित समाज में नाराजगी है।सोमवार सुबह तीर्थ पुरोहित उनियाल अपनी निर्धारित पूजा की बारी के तहत यमुनोत्री धाम जा रहे थे। उनके साथ एक घोड़े पर मंदिर समिति एवं रसोई से संबंधित आवश्यक सामान लदा था जिसे धाम तक पहुंचाया जाना था। आरोप है कि जानकीचट्टी क्षेत्र में तैनात दो पुलिस कर्मियों ने उन्हें रास्ते में रोक लिया और सामान से लदे घोड़े को आगे जाने की अनुमति देने के बजाय लौटा दिया।

कहना है कि यात्रा संचालन के दौरान इससे पूर्व भी कई बार मंदिर एवं अन्य आवश्यक सामग्री लेकर घोड़े यमुनोत्री धाम भेजे जाते रहे हैं। ऐसे में बिना किसी साफ कारण के उनके घोड़े को रोकना अनुचित है। घटना की जानकारी मिलते ही यमुनोत्री धाम से जुड़े पुरोहितों एवं स्थानीय लोगों में नाराजगी है। पुरोहित समाज का कहना है कि धाम की धार्मिक परंपराओं और व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने में तीर्थ पुरोहितों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यदि आवश्यक सामग्री को बिना उचित कारण रोका जाएगा तो इससे धाम की व्यवस्थाओं पर असर पड़ सकता है।

स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली पर फूटा गुस्सा

उत्तरकाशी। यमुनोत्री धाम के प्रथम पड़ाव नौगांव स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के खिलाफ क्षेत्रवासियों का आक्रोश सोमवार को सड़कों पर फूट पड़ा। बड़ी संख्या में ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अस्पताल परिसर में एकत्र होकर सरकार और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार की मांग उठाई। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द व्यवस्थाएं दुरुस्त नहीं की गईं तो व्यापक जनआंदोलन के साथ अस्पताल में तालाबंदी की जाएगी। जन आंदोलन के तहत लोगों ने यमुनोत्री हाईवे से सीएचसी तक ढोल–नगाड़ों के साथ रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अस्पताल परिसर में धरना दिया और स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली पर गहरा रोष व्यक्त किया। आंदोलनकारियों ने मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति, एक्स–रे टेक्नीशियन की तैनाती, ब्लड बैंक की स्थापना, सप्ताह के सभी दिनों में अल्ट्रासाउंड सुविधा उपलब्ध कराने, आवश्यक दवाइयों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने व लंबे समय से बंद पड़े ऑक्सीजन प्लांट को तत्काल चालू करने की मांग की।

उत्तराखण्ड के आपदा प्रबंधन मॉडल से रूबरू हुए श्रीलंका के अधिकारी

देहरादून। नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस (एनसीजीजी) के तत्वावधान में आपदा प्रबंधन विषय पर आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत श्रीलंका के 40 सिविल सेवा अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) का भ्रमण किया। इस दौरान अधिकारियों ने राज्य में आपदा प्रबंधन के लिए विकसित व्यवस्थाओं, तकनीकी नवाचारों, पूर्व चेतावनी प्रणालियों तथा सामुदायिक सहभागिता आधारित पहलों की जानकारी प्राप्त की। अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (क्रिया्न्वयन) डीआईजी राजकुमार नेगी ने प्रतिभागियों को बताया कि राज्य में आपदाओं के दौरान त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए मजबूत संस्थागत तंत्र विकसित किया गया है। उन्होंने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) एवं जिला आपातकालीन परिचालन केंद्रों (डीईओसी) की भूमिका, चेतावनी प्रसारण प्रणाली, आपदा अलर्ट जारी करने की प्रक्रिया तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला।उन्होंने बताया कि उत्तराखण्ड में आपदा जोखिम न्यूनीकरण के प्रयासों में स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाती है। सूचना एवं चेतावनी संदेशों को अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध ढंग से पहुंचाने के लिए बहु–स्तरीय संचार व्यवस्था विकसित की गई है। मौसम पूर्वानुमान एवं

चेतावनी प्रणाली पर चर्चा करते हुए नेगी ने बताया कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा उपग्रह आधारित अवलोकन प्रणाली, डॉप्लर वेदर रडार, स्वचालित मौसम केंद्र, स्वचालित वर्षामापी यंत्र तथा उन्नत मौसम मॉडलिंग तकनीकों के माध्यम से आंकड़े एकत्र किए जाते हैं। इन आंकड़ों का रियल–टाइम विश्लेषण कर विभिन्न स्तरों के मौसम पूर्वानुमान तैयार किए जाते हैं, जो विशेष रूप से पर्वतीय क्षेत्रों में जोखिम प्रबंधन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।कार्यक्रम में उत्तराखण्ड भू–स्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र (यूएलएमएसी) के निदेशक डॉ. शांतनु सरकार ने राज्य में भूस्खलन जोखिम न्यूनीकरण हेतु किए जा रहे वैज्ञानिक प्रयासों की जानकारी साझा की। श्रीलंका में भी अत्यधिक वर्षा एवं भूस्खलन की घटनाएं आम होने के कारण प्रतिनिधिमंडल ने इन व्यवस्थाओं में विशेष रुचि दिखाई और उत्तराखण्ड में अपनाई जा रही तकनीकों एवं मॉडलों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मो. ओबैदुल्लाह अंसारी उपस्थित रहे। अंतरराष्ट्रीय सहयोग से मजबूत होता है आपदा प्रबंधन : सुमनः सचिव, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने कहा कि इस प्रकार के अध्ययन कार्यक्रम आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में क्षमता निर्माण के प्रभावी माध्यम हैं। विभिन्न देशों के अनुभवों एवं सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान–प्रदान से संस्थागत दक्षता बढ़ती है तथा आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए अधिक समन्वित और प्रभावी दृष्टिकोण विकसित होता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में विकसित मॉडल और अनुभव अन्य देशों के लिए उपयोगी हो सकते हैं, वहीं वैश्विक अनुभवों से सीखकर राज्य की व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकता है। क्षमता निर्माण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है एनसीजीजी : डॉ. ए.पी. सिंहः एनसीजीजी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ए.पी. सिंह ने बताया कि भारत सरकार द्वारा स्थापित नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस सुशासन, नीतिगत सुधार, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण के क्षेत्र में कार्यरत एक प्रमुख संस्थान है।

आयुष मंत्री मदन कौशिक ने विभागीय अधिकारियों संग समीक्षा बैठक की

देहरादून। प्रदेश के आयुष मंत्री मदन कौशिक ने विधान सभा स्थित सभागार कक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मंत्री ने कहा कि आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय हरीवाला के संबंध में पूर्व में लिये गये निर्णयों के अनुपालन एवं क्रिया्न्वयन के स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई है साथ ही उन्होंने कहा कि आयुर्वेदिक कॉलेज ऋषिकुल तथा गुरूकुल हरिद्वार में दवाईयों के वितरण को सुचारू रूप से बनाये रखने हेतु अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से उचित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है।

आयुष मंत्री ने आयुष मंत्रालय भारत सरकार के साथ आगामी प्रस्तावित बैठक के दृष्टिगत विभागीय स्तर पर की जा रही तैयारियों एवं कार्य योजनाओं पर भी विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि सभी प्रस्तावों को ससमय पूर्ण कर लिया जाए। मंत्री ने कहा कि आयुष विश्वविद्यालयों में किसी भी तरह की अव्यवस्था न होने पाए इसके लिए अधिकारी उचित कार्यप्रणाली अपनाएं। मंत्री ने विश्वविद्यालयों में टैक्निशियन, लाईब्रेरियन तथा अन्य रिक्त पदों को भी जल्द से जल्द भरने हेतु अधियाचन भेजने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

स्कूटर में पीछे से टक्कर मार महिला की जान लेने वाले कार चालक पर केस

देहरादून। छह नंबर पुलिया के पास रविवार शाम हुए सड़क हादसे में पुलिस ने फरार कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना में 32 वर्षीय महिला की मौके पर ही मौत हो गई थी। उनकी चार वर्षीय मासूम बेटी अस्पताल के आईसीयू में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रही है। मृतका की बहन की तहरीर पर नेहरू कॉलोनी थाने में सोमवार को केस दर्ज हुआ। एसओ नेहरू कॉलोनी मनोज नौटियाल ने बताया कि प्रेमपुर माफी, कौलागढ़ निवासी प्रीति ढौंढियाल ने तहरीर दी। बताया कि उनकी बहन सपना उम्र 32 वर्ष अपने पति सुमित और चार साल की बेटी राधिका के साथ स्कूटर से कौलागढ़ से हर्रावाला जा रही थीं। स्कूटर सुमित चला रहे थे। जैसे ही वे छह नंबर पुलिया के पास पहुंचे तभी पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सपना की मौके पर ही मौत हो गई।

कमेड़ा और मारवाड़ी में व्यवस्था बनाने में छूट रहे पसीने

चमोली। बदरीनाथ धाम की यात्रा में डेढ़ माह से भी कम समय में करीब आठ लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। यात्रा चरम पर चल रही है लेकिन बदरीनाथ हाईवे गौचर के पास कमेड़ा क्षेत्र और ज्योतिर्मठ–मारवाड़ी क्षेत्र यात्रा व्यवस्थाओं में खलल डाल रहा है। इन जगहों पर यात्रियों के साथ ही स्थानीय लोगों को भी हर दिन परेशान होना पड़ रहा है। दोनों जगह पर विभागीय लापरवाही के चलते यह स्थिति उत्पन्न हुई है। बदरीनाथ धाम की यात्रा पर इस समय हर दिन 28 से 30 हजार यात्री पहुंच रहे हैं। वहीं चार से पांच हजार यात्री हेमकुंड साहिब की यात्रा पर आ रहे हैं। इस कारण बदरीनाथ हाईवे पर जैसे ही यातायात दबाव बढ़ा तो व्यवस्था नाकाफी साबित होने लगीं। घंटों तक जाम लगने से यात्री परेशान रहे। खासकर गौचर के पास कमेड़ा क्षेत्र और ज्योतिर्मठ–मारवाड़ी के बीच जाम ने यात्रियों के पसीने छुड़ा दिए। पुलिस ने इन दोनों जगह पर वन वे व्यवस्था शुरू कर दी लेकिन वाहनों की संख्या इतनी अधिक हो रही है कि चंद मिनट में ही वाहनों की कई किमी लंबी कतार लग रही है। वहीं गौचर में आईटीबीपी से आगे रुद्रप्रयाग की तरफ कमेड़ा के पास हाईवे पर ट्रीटमेंट कार्य चल रहा है।

इस कारण यहां पर सिंगल लेन रोड हो चुकी है। पुलिस एक बार में एक तरफ के वाहन भेज रही है इससे लोगों को काफी देर तक यहां रुकना पड़ रहा है। चमोली चाड़ा में भी यही स्थिति है। यहां हाईवे चौड़ीकरण कार्य नहीं किया गया। सबसे बड़ी चुनौती ज्योतिर्मठ–मारवाड़ी के बीच बनी है।

साइड देते समय कार खीर गंगा नदी में जा गिरी

उत्तरकाशी। धराली में गंगोत्री हाईवे पर एक कार साइड लेते हुए खीर गंगा नदी में जा गिरी। उसमें द्वारिका वेस्ट दिल्ली के चार यात्री घायल हो गए। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा। वहां पर प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। घटना के बाद अब धराली गांव के ग्रामीणों ने बीआरओ की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। कहा कि बीआरओ दस माह में मुख्य सड़क तैयार नहीं कर पाया है। घटना के समय कार में द्वारिका वेस्ट दिल्ली निवासी अनुराग सक्सेना, उनकी पत्नी बरखा सक्सेना सहित पांच वर्षीय बेटा अवयुक्त और उनके बुजुर्ग माता प्रतिमा सक्सेना सवार थे। हालांकि उन्हें घटना में सामान्य चोटें आई लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि अगर यह शाम की घटना होती तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। क्योंकि उस समय खीर गंगा का जलस्तर बढ़ा रहता है। स्थानीय निवासी सुशील पंवार, मंजुल पंवार, जयदेव पंवार का कहना है कि बीते वर्ष अगस्त में आई आपदा में गंगोत्री हाईवे मलबे में दबने के बाद ग्रामीणों ने अपनी भूमि पर आवाजाही शुरू करवाने के लिए वैकल्पिक सड़क निर्माण करने दिया। उसके बाद से दस माह बीत चुके हैं लेकिन बीआरओ अपनी पुरानी सड़क का निर्माण नहीं कर पाया है।

आईटीआई में छात्र संख्या बढ़ाने को लेकर मंत्री सौरभ बहुगुणा ने की समीक्षा बैठक

देहरादून। प्रदेश के कौशल विकास एवं सेवायोजन मंत्री सौरभ बहुगुणा ने विधानसभा स्थित कार्यालय कक्ष में विभागीय बैठक ली तथा विभागीय अधिकारियों के साथ विभाग के अन्तर्गत प्रदेश में संचालित आईटीआई में छात्र संख्या एवं सुविधाओं को बढ़ाने को लेकर विस्तृत समीक्षा की। मंत्री ने आगामी भर्ती सत्र को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में स्थित आईटीआई में छात्र संख्या बढ़ाने पर जोर देते हुए विभागीय अधिकारियों से कहा कि आगामी भर्ती सत्र को ध्यान में रखते हुए कौशल विकास विभाग की योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाय ताकि छात्र विभागीय योजनाओं का लाभ उठाते हुए दक्षता हासिल कर सकें। मंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्थित स्कूल/कॉलेज के छात्रों के अभिभावकों के साथ संवाद स्थापित कर कौशल विकास सम्बन्धी

योजनाओं की जानकारी दी जाय ताकि वे अपने बच्चों को कौशल विकास सम्बन्धी प्रशिक्षण देने के लिए प्रेरित हो सकें। इसके साथ ही स्कूल/कॉलेजों के समीप विभागीय योजनाओं से संबंधित होर्डिंग भी स्थापित किये जाय ताकि छात्रों को विभागीय याजनाओं की जानकारी मिल सकें।

मंत्री ने कहा कि प्रदेश के देहरादून के निरंजनपुर, श्रीनगर एवं अल्मोड़ा स्थित आईटीआई में टीवीएस कम्पनी के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस खोलने थे उनका उद्घाटन आगामी 16 तारीख को करने जा रहे हैं। 13 सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस जो विभाग ने टाटा टेक्नोलॉजी को दिये थे उनमें आगामी माह जुलाई से शॉर्ट टर्म कोर्सेज प्रारंभ किये जा रहे हैं।

विधिक जागरूकता शिविर में एसबीआई ने बांटी छड़ियां

अल्मोड़ा। विकासखंड लमगड़ा के राजकीय इंटर कॉलेज मेरगांव में आयोजित वृहद बहुउद्देशीय विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर में आमजन और विद्यार्थियों को विभिन्न कानूनी अधिकारों तथा सरकारी सेवाओं की जानकारी दी गई।

शिविर में राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की भूमिका, महिलाओं, बच्चों, ट्रांसजेंडर और वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों के साथ निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही टोल फ्री हेल्पलाइन 15100 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के प्रति भी लोगों को जागरूक किया गया। शिविर के दौरान भारतीय स्टेट बैंक की ओर से जन–जागरूकता एवं स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया। क्षेत्रीय प्रबंधक आशीष खाली के मार्गदर्शन और मानव संसाधन प्रबंधक अजय कुमार मिश्रा के सहयोग से आयोजित

कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने बढ़–चढ़कर भागीदारी की। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत एसबीआई लमगड़ा शाखा की ओर से जरूरतमंद लोगों को 200 छड़ियां, 100 श्रवण यंत्र और 50 वाटर प्यूरीफायर वितरित किए गए। बैंक अधिकारियों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक आवश्यक सुविधाएं पहुंचाना और उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है। शिविर में लोगों को बैंकिंग सेवाओं और विभिन्न जनहितकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम को लेकर क्षेत्रीय लोगों में उत्साह देखा गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक आशीष खाली, मानव संसाधन प्रबंधक अजय कुमार मिश्रा, शाखा प्रबंधक लमगड़ा मुकेश कुमार कदम, संजीव कुमार सहित अन्य बैंक अधिकारी उपस्थित रहे।

बद्रीश कॉलोनी में बच्चों और युवाओं ने संभाली स्वच्छता की कमान

देहरादून। श्री बद्रीश कॉलोनी कल्याण समिति और नगर निगम देहरादून की ओर से स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत कॉलोनी के बच्चों और युवाओं को स्वच्छता का संदेश देते हुए उन्हें सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। समिति के आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय पार्षद कमली भट्ट ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने अभियान की सराहना करते हुए बच्चों को स्वच्छता के महत्व और नागरिक जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर बच्चों को सफेद टी–शर्ट, टोपी, मास्क और ग्लव्स वितरित किए गए।

अभियान के दौरान बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने स्वच्छता गीतों और नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। स्वच्छता जागरूकता अभियान में विशेष योगदान के लिए मीनू सुंदरियाल को पार्षद कमली भट्ट और समिति अध्यक्ष चित्रपाल सजवाण ने शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

संक्षिप्त समाचार

महावारी दिवस पर बालिकाओं को किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अंतरराष्ट्रीय महावारी दिवस के अवसर पर बाल विकास परियोजना विभाग की ओर से बालिकाओं को मासिक धर्म एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा करने के साथ ही आयरन फोलिक एसिड की गोलियां और सैनिटरी नैपकिन वितरित किए गए।

मोटाढांक और आमपड़ाव के आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ सुपरवाइजर बंसुधरा रावत ने किया। उन्होंने कहा कि किशोरावस्था के बाद मासिक धर्म बालिकाओं में होने वाली एक सामान्य एवं प्राकृतिक शारीरिक प्रक्रिया है। इस दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है, जिससे विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से बचा जा सके। उन्होंने बालिकाओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने की सलाह देते हुए कहा कि सही खानपान से शरीर स्वस्थ रहता है और एनीमिया जैसी समस्याओं से बचाव संभव है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयरन फोलिक एसिड की गोलियां और सैनिटरी नैपकिन भी वितरित किए गए। इस अवसर पर बालिकाओं को राज्य सरकार की नंदा गौरा योजना की जानकारी भी दी गई तथा योजना का लाभ लेने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया।

सब जूनियर राष्ट्रीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए दो जून को चयन ट्रायल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पांचवीं सब जूनियर बालक एवं बालिका राष्ट्रीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप के लिए जनपद पौड़ी गढ़वाल के खिलाड़ियों का चयन ट्रायल दो जून को आयोजित किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी राज्य स्तरीय ट्रायल में प्रतिभाग करेंगे।

राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम के इंचार्ज एवं बॉक्सिंग प्रशिक्षक श्याम सिंह डांगी ने बताया कि राष्ट्रीय बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन 22 जून से पंजाब के जालंधर में किया जाएगा। प्रतियोगिता के लिए उत्तराखंड बॉक्सिंग एसोसिएशन द्वारा पांच जून को हल्द्वानी में राज्य स्तरीय चयन ट्रायल रखा गया है। उन्होंने बताया कि जनपद पौड़ी गढ़वाल से प्रत्येक भार वर्ग में एक-एक खिलाड़ी का चयन किया जाएगा। इसके लिए जिला स्तरीय चयन एवं वजन परीक्षण प्रक्रिया दो जून को राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में संपन्न होगी। ट्रायल में सफल खिलाड़ी राज्य स्तरीय चयन प्रक्रिया में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। श्याम सिंह डांगी ने बताया कि चयन ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, मूल अथवा स्थायी निवास प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र तथा सरकारी चिकित्सालय से जारी आयु प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से साथ लाना होगा। उन्होंने इच्छुक खिलाड़ियों से समय पर उपस्थित होकर चयन प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है।

आज भी पयाल गांव के ग्रामीण सड़क सुविधा से वंचित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखंड कोट के पयाल गांव के ग्रामीण आज भी सड़क सुविधा से वंचित हैं। दो दशक से अधिक समय बीत जाने के बावजूद गांव तक मोटर मार्ग नहीं पहुंच पाया है। जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि बीमार व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने के लिए लगभग डेढ़ किमी. तक डंडी-कंडी के सहारे मुख्य सड़क तक लाना पड़ता है। ग्रामीणों ने गांव को जल्द से जल्द सड़क मार्ग से जोड़ने की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि जनपद के अधिकांश गांव सड़क नेटवर्क से जुड़ चुके हैं, लेकिन पयाल गांव की वर्षों पुरानी मांग अब तक अधूरी है। सड़क न होने से लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के सामान, गैस सिलिंडर और अन्य आवश्यक वस्तुएं सिर और पीठ पर ढोकर गांव तक पहुंचानी पड़ती हैं। ग्रामीणों के अनुसार करीब आठ वर्ष पहले गांव के लिए सड़क कटान का कार्य शुरू हुआ था, लेकिन गलत अलाइनमेंट के कारण सड़क उपयोगी नहीं बन सकी। कई स्थानों पर अत्यधिक खड़ी चढ़ाई होने से वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा बना रहता है। पूर्व प्रधान राजपाल सिंह, मेहताब सिंह, अतर सिंह, सोहन सिंह आदि ने बताया कि विभाग और जिला प्रशासन को ज्ञापन दिए गए, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। उन्होंने पयाल गांव को जाखणी-घुड़ेत मोटर मार्ग से जोड़ने की मांग की है।

विधिक शिविर में छात्राओं को दी कानूनी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी के दिशा निर्देशन पर राजकीय कन्या इंटर कॉलेज एकेश्वर में विधिक शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान बालिका शिक्षा, विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, किशोर अपराध, लैंगिक अपराध, पॉक्सो अधिनियम, किशोर न्याय अधिनियम के बारे में जानकारी दी गई। शिविर में पीएलबी पुष्पेंद्र राणा ने छात्राओं को कानूनी ज्ञान सरल माला पुस्तक वितरित की। उन्होंने विधिक सेवा विधिक सहायता, नालसा सालास और डालसा के बारे जानकारी दी। पीएलबी सुनील रावत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बच्चों की देखरेख व उनके संरक्षण की जिम्मेदारी माता-पिता, अभिभावक व शिक्षकों की होती है। उन्होंने समस्त छात्राओं से अपील की है कि यदि उनके साथ कोई भी गलत कार्य हो रहा हो तो वे इसकी बारे में तुरंत अपने अभिभावकों व शिक्षकों को बताएं। इस मौके पर प्रधानाचार्य इंदिरा रावत, शिक्षिका सुरेखा सहित शिक्षिकाएं, छात्राएं आदि मौजूद थे।

मीना ने अल्ट्रा मैराथन में जीता स्वर्ण पदक

श्रीनगर गढ़वाल : पर्यटन विभाग उत्तराखंड सरकार, भारतीय सेना व आईटीबीपी के संयुक्त तत्वावधान में 31 मई व 1 जून को चमोली जनपद के मलारी क्षेत्र में आयोजित नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा मैराथन में श्रीनगर की धाविका मीना कंडारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 42 किलोमीटर महिला वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। कठिन हिमालयी परिस्थितियों में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देश के 27 राज्यों और दो अन्य देशों से आए लगभग 1500 धावकों ने प्रतिभाग किया। प्रतिस्पर्धा के बीच मीना कंडारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया और एक बार फिर श्रीनगर और उत्तराखंड का नाम रोशन किया। मीना कंडारी की इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों, खेल प्रेमियों व विभिन्न सामाजिक संगठनों ने खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। (एजेंसी)

व्यापार मंडल चुनाव की नामांकन प्रक्रिया शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : व्यापार मंडल श्रीनगर चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है। नामांकन के प्रथम दिन अध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशियों राजीव वर्मा व अनुज जोशी ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। चुनाव समिति के अनुसार अन्य पदों के लिए नामांकन प्रक्रिया 2 जून को भी होंगे। नामांकन दाखिल करने का समय दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक निर्धारित किया गया है।

मौसम से जमीन पर आए नींबू, तरबूज व खरबूजे के दाम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : करीब एक सप्ताह पूर्व तक बाजार में नींबू की कीमतें आसमान छू रही थी। अस्सी से सौ रूपए में ढाई सौ ग्राम की दर से बिक रहे नींबू पर मौसम की ऐसी मार पड़ी कि आसपास छू रही कीमतें यकायक जमीन पर आ गई। कुछ यही स्थिति तरबूज व खरबूजे की भी हो रही है। मौसम में आए बदलाव से तरबूज व खरबूज की कीमतों में भी गिरावट आई है।

करीब एक सप्ताह पूर्व कोटद्वार व आसपास के क्षेत्रों में बैरोमीटर का पारा चालीस डिग्री के आंकड़ें को छू रहा था। गर्मी बढ़ी तो जहां जूस की बिक्री बढ़ी, वहीं नींबू की खपत में भी बढ़ोत्तरी हुई। नतीजा, बाजार में नींबू की कीमत साढ़े तीन सौ से चार सौ रूपए तक पहुंच गई थी। लेकिन, मौसम ने करवट ली और बारिश व तेज हवाओं से तापमान में भारी गिरावट आई। नतीजा, नींबू की कीमतों में भी गिरावट आ गई। सोमवार को क्षेत्र में नींबू 180 से 200 रूपए प्रति किग्रा के हिसाब से

बाजार में बिकने के लिए रखा नींबू

बिक रहा था। तापमान में आई गिरावट की मार खरबूजा व तरबूज बेचने वाले व्यापारी भी झेल रहे हैं। साहिल ने बताया कि सप्ताह भर पूर्व बाजार में खरबूजा पचास रूपए प्रति किलोग्राम बिक रहा था। लेकिन, बारिश के बाद अब खरबूजे की कीमत तीस-चालीस रूपए किलोग्राम तक पहुंच गई है। जबकि तरबूज की दरों में भी पांच से सात रूपए की कमी आई है। हालांकि, व्यापारियों को भरोसा है कि एक-दो दिन तेज धूप खिलने के बाद एक बार फिर नींबू के साथ ही खरबूजे व तरबूज की डिमांड बढ़ेगी।

जंगली जानवरों से निजात को बनाएं योजना

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : ग्रामीण विकास नागरिक विकास मंच की बैठक में क्षेत्र में गुलदार के आतंक सहित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। कहा कि गुलदार सहित वन्य जीवों के आतंक से निजात दिलाने के लिए सरकार को ठोस पहल करनी होगी। इस मौके पर कई प्रस्ताव भी पारित किए गए।

देवी मंदिर स्थित एक होटल में आयोजित बैठक में विचार मंच के अध्यक्ष प्रवेश चंद्र नवानी ने कहा कि वर्तमान मे पर्वतीय क्षेत्रों के अलावा मैदानी क्षेत्र में भी गुलदार का आतंक बना हुआ है। शनिवार को सनेह क्षेत्र की एक महिला पर गुलदार ने हमला कर दिया, जिससे महिला घायल हो गई। कहा कि इस प्रकार की घटनाएं पर्वतीय क्षेत्रों में आए दिन हो रही है, जो कि चिंता का विषय है। कहा कि सरकार को इस प्रकार की घटनाओं की रोकथाम के लिए ठोस उपाय करने की जरूरत है। वक्ताओं ने नीट परीक्षा का मुद्दा भी उठाया। कहा कि दोबारा होने वाली नीट परीक्षा के अभ्यर्थियों को मार्ग व्यय की सुविधा उपलब्ध करवाई जाए। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. भुवन चंद्र खंडूड़ी को मरणोपरांत भारत रत्न दिए जाने व उनकी स्मृति में प्रस्तावित पीजी मेडिकल कालेज का नाम रखवाए जाने की मांग की है। इस मौके पर शंकर दत्त गौड़, शिव प्रकाश कुकरेती, सुनील नवानी, जनार्दन प्रसाद ध्यानी, शशि मोहन उनियाल, राजेंद्र कुमार वर्मा, पातीराम ध्यानी, एसएन नौटियाल, श्रीकांत नौगाई मौजूद रहे।

दुकान का टूटा ताला, चोर उड़ा ले गए सामान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार नजीबाबाद चौराह से चंद कदम की दूरी पर चोरों ने एक दुकान का ताला तोड़ हजारों का सामान साफ कर दिया। दुकान स्वामी की ओर से इस संबंध में पुलिस से शिकायत की गई है।

जानकारी के अनुसार दुकान स्वामी अजय जोशी रविवार रात दुकान बंद कर घर चले गए थे। सोमवार सुबह जब वह दुकान खोलने पहुंचे तो उन्होंने देखा कि दुकान में रखे एक काउंटर का ताला टूटा हुआ है और आसपास सामान बिखरा पड़ा है। जांच करने पर काउंटर के भीतर रखा बीड़ी, सिगरेट, माचिस, गुटखा सहित अन्य सामान गायब मिला। दुकान स्वामी के अनुसार चोर करीब आठ हजार रुपये मूल्य का सामान चोरी कर ले गए। घटना की सूचना तत्काल बाजार चौकी पुलिस को दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि घटनास्थल के समीप नजीबाबाद चौराहे पर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। वहीं, मुख्य चौराहे पर रातभर पुलिस की तैनाती और गश्त का दावा भी किया जाता है। इसके बावजूद चौकी के नजदीक चोरी की घटना होने से पुलिस व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों ने क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने की मांग की है।

सड़क सुरक्षा कार्यशाला, युवाओं को बताएं यातायात नियम

आयोजित कार्यशाला में जानकारी देते अधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : युवाओं को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से भगवंत ग्लोबल विश्वविद्यालय (बीजीयू) में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी देने के साथ ही हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) विमल पाण्डेय ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को यातायात नियमों के पालन, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, ओवरस्पीडिंग के दुष्परिणाम और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा जीवन की सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है और इसमें युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यशाला में दुर्घटना के दौरान अपनाई जाने वाली त्वरित प्रतिक्रिया और प्राथमिक सहायता के संबंध में भी जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि सड़क दुर्घटना के बाद का पहला घंटा घायल व्यक्ति की जान बचाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। जिला शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक) अंशुल बिष्ट ने विद्यार्थियों को वाहन चलाने से पहले सभी सुरक्षा नियमों का पालन करने की सीख दी।

उन्हों ने कहा कि यातायात नियमों का पालन कर स्वयं के साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सकती है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने का संकल्प भी लिया।

पूर्व डीन को दी विदाई, नए डीन का किया स्वागत

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के पृथ्वी संकाय के पूर्व डीन को विदाई दी गई व नए डीन का स्वागत किया गया। चौरास परिसर में आयोजित कार्यक्रम में भूगोल विभाग के सीनियर प्रो. महावीर सिंह नेगी को पृथ्वी विज्ञान संकाय का नया संकायाध्यक्ष (डीन) बनने पर शिक्षकों ने बधाई दी, जबकि बिड़ला परिसर में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व डीन को विदाई दी गई। भूगोल विभाग के सीनियर प्रोफेसर बीपी नैथानी ने कहा कि नव नियुक्त डीन प्रो. नेगी बहुमुखी प्रतिभाग के धनी हैं। उनके डीन बनने पर संकाय के अंतर्गत आने वाले सभी विभागों को लाभ मिलेगा। वही बिड़ला परिसर के डीन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सेवानिवृत्त हुए सैन्य विज्ञान विभाग के प्रोफेसर व पृथ्वी विज्ञान संकाय के डीन प्रो. राकेश चंद्र कुंवर को विदाई दी गई। इस मौके पर डा. नरेंद्र, प्रो. मीना, प्रो. एचबीएस चौहान, प्रो. भानु नैथानी, डा. राकेश नेगी, डा. कपिल पंवार, डा. गांधी चौहान, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष देवेंद्र फर्स्वाण, पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र भंडारी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र राहुल, मंजू पत्नी राहुल पुत्री रजनी पत्नी नरेन्द्र सिंह, रश्मि पत्नी नरेन्द्र सिंह मेरे कहने सुनने में नहीं है और हमारे साथ लड़ाई झगड़ा करते है और हमारे साथ मारपीट पर उतारू रहते है तथा जान से मारने की धमकी देते रहते है, इसलिए मैं अपने पुत्र राहुल, मंजू पत्नी राहुल पुत्री रजनी पत्नी नरेन्द्र सिंह, रश्मि पत्नी नरेन्द्र सिंह को अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। मेरा उनसे कोई नाता रिश्ता नहीं रह गया है तथा मेरी मृत्यु के बाद भी मेरी सम्पत्ति एवं अन्य चल अचल सम्पत्ति पर कोई अधिकार नही रहेगा तथा मेरा उनसे कोई मतलब नहीं है तथा आज के बाद मेरा किसी प्रकार का कोई लेन-देन नहीं रह गया है। मेरे पुत्र राहुल, मंजू पत्नी राहुल पुत्री रजनी पत्नी नरेन्द्र सिंह, रश्मि पत्नी नरेन्द्र सिंह कोई भी कार्य अपनी मर्जी से करता है या गैरकानूनी कार्य करता है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी उनकी होगा। मेरी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

विजय पाल सिंह बिष्ट पुत्र स्व0 गोविन्द सिंह बिष्ट निवासी मानपुर, पोस्ट कलालघाटी, कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0526/21)

ट्रेंचिंग ग्राउंड के विरोध में सड़कों पर उतरे लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत कंचपुरी हल्दूखाता में प्रस्तावित ट्रेंचिंग ग्राउंड के विरोध में लोगों ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया। कहा कि यदि कंचनपुरी क्षेत्र में ट्रेंचिंग ग्रउंड बना तो लोग आंदोलन को तेज करेंगे।

सोमवार को क्षेत्रीय लोग कंचनपुरी कूड़ा निस्तारण केंद्र विरोध संघर्ष समिति के बैनर तले मालवीय उद्यान के समीप एकत्रित हुए। यहां से वह जुलूस के रूप में तहसील परिसर में पहुंचे। लोगों ने कहा कि ट्रेंचिंग ग्राउंड बनने के बाद नगर निगम के 40 वार्डों का कूड़ा यहां आएगा, जिससे क्षेत्र में दुर्गंध और प्रदूषण की समस्या बढ़ सकती है।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित स्थल के आसपास शिक्षण संस्थान और कार्यालय स्थित हैं, जिससे आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। वक्ताओं ने दावा किया कि सर्वे ऑफ इंडिया के नक्शों के अनुसार प्रस्तावित स्थल पर कभी मालन नदी की सहायक रतनाल नदी बहती थी। साथ ही यह मार्ग प्रसिद्ध कण्वाश्रम को भी जाता है, जिससे पर्यटन गतिविधियों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़

कोटद्वार में प्रदर्शन करते लोग

सकता है। प्रदर्शनकारियों ने उपजिलाधिकारी संदीप कुमार को ज्ञापन सौंपकर ट्रेंचिंग ग्राउंड को अन्य स्थान पर स्थापित करने की मांग की। प्रदर्शन में क्षेत्रीय पार्षद मनीष नैथानी, सूरज प्रसाद कांति, बेरोजगार महासंघ के अध्यक्ष राम कंडवाल समेत बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

योग को बनाएं अपने जीवन का अहम हिस्सा

सुखदायी जीवन जी सकें। उन्होंने कहा कि योग हमारे जीवन का विशेष अंग बन जाए हम ऐसा संकल्प ले।

यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चन्द्र सिंह के कुशल निर्देशन व मार्गदर्शन में संपादित किया जा रहा है। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम स्वास्थ्य, ज्ञान एवं विश्व शांति के लिए योग कार्यक्रम के प्रथम दिन मुख्य प्रशिक्षक एवं महाविद्यालय के योग गुरु आकाश शर्मा ने उपस्थित सभी प्रशिक्षणार्थियों व प्राध्यापकों को योग के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक क्रिया नहीं है, बल्कि यह हमारे शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने का माध्यम है। इससे न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि हमारी इंद्रियों और विचारों पर भी सकारात्मक नियंत्रण स्थापित होता है। व्याख्यान के उपरांत उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को प्रारंभिक योगाभ्यास का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी कराया। इस मौके पर नमामि गंगे नोडल अधिकारी डॉ. विवेक रावत, डॉ. छाया सिंह, डॉ. नीरज असवाल, डॉ. विकास प्रताप सिंह, डॉ. जूली, डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, चन्दन सिंह जीना सहित प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

थलीसैंण महाविद्यालय में 21 दिवसीय योग कार्यक्रम शुरू

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में आईक्यूएसी, नमामि गंगे, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं योग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 21 दिवसीय योग कार्यक्रम शुरू हो गया है। इस मौके पर योग गुरु आकाश शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य सफल जीवन की नींव है, इसलिए अपनी दिनचर्या में योग साधना को अवश्य शामिल करें, जिससे हम

क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवार से 60 परिवारों की आवाजाही पर खतरा

रुद्रप्रयाग। ग्रामसभा परकंडी के ककोला गांव में एक वर्ष बाद भी आपदा के निशान जस के तस हैं। यहां क्षतिग्रस्त हो चुकी सुरक्षा दीवार के कारण 60 परिवारों के मुख्य संपर्क मार्ग पर खतरा बना है। इसके अलावा इस दीवार के टूटने से गांव के बुजुर्ग दंपती विनोद सिंह बिष्ट और उनकी पत्नी की मुश्किलें भी बढ़ गई हैं। सब्जी उत्पादन कर आजीविका चलाने वाले विनोद सिंह बिष्ट ने बताया कि पिछले वर्ष आई आपदा में उनकी फसलें और कीवी के पेड़ नष्ट हो गए थे जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान हुआ। अब घर के पास की सुरक्षा दीवार टूटने से हर वक्त खतरा बना रहता है। उन्होंने कहा कि इस समस्या के संबंध में पिछले वर्ष जिलाधिकारी को अवगत कराया गया था। इसके बाद एसडीएम और कृषि विभाग को जांच के निर्देश भी दिए गए लेकिन आज तक कोई समाधान नहीं निकला। स्थानीय विकास बिष्ट ने बताया कि कई बार मुख्यमंत्री/जिलाधिकारी के जनता दरबार में मामला उठाने के बावजूद कार्य शुरू नहीं हो सका है।

ग्राम प्रधान सुनीता देवी ने बताया कि इस सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य वीबीजी रामजी योजना के तहत स्वीकृत है।

अस्थायी कर्मचारियों को स्थायी करने की मांग

रुद्रप्रयाग। बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र भेजकर समिति में कार्यरत अस्थायी और सीजनल कर्मचारियों को स्थायी करने की मांग की। कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री की पूर्व में की गई वन टाइम सेटलमेंट की घोषणा को लागू करने के साथ ही समान कार्य के लिए समान वेतन का लाभ देने की मांग की। कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बिजेन्द्र बिष्ट ने कहा कि मंदिर समिति में पिछले कई वर्षों से करीब 350 सीजनल व अस्थायी कर्मचारी विभिन्न श्रेणियों में सेवाएं दे रहे हैं। इन कर्मचारियों के भविष्य को लेकर अब तक कोई ठोस निर्णय नही लिया गया है।

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/प्रथम द्वारा ई–टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं जो उसी दिन **16:00 बजे** तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	71-DRM-MB-26-27 Dt. 29.05.2026
कार्य का नाम	Provision 3.0 m wide FOB at LAKSAR station on NBD-SRE section
निविदा का प्रकार	Works
निविदा की कीमत	Nil
अनुमानित लागत (रु.)	3,60,85,412.61
धरोहर राशि (रु.)	7,21,700.00
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	22.06.2026, 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	08.06.2026
आफर की वैधता	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 Months

सं.: 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 30.05.2026 1838/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि0
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड– नैनीडांडा के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु अनुभवी, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा विद्युत अधिष्ठापन कार्य के लिये अधिकृत 'ए' श्रेणी लाईसेन्स प्राप्त (आयकर, जी0एस0टी0 व ई0पी0एफ0 व ई0एस0आई0 में पंजीकृत) ठेकेदारों से मुहरबन्द निविदाएं दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर धनराशि तथा द्वितीय भाग में दरें जो कि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह के लिए वैध हो) दिनांक 19.06.2026 को 14.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है जो कि उसी दिन 15.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में विद्युत वितरण खण्ड–नैनीडांडा के कार्यालय से दिनांक 18.06.2026 को 14.00 बजे तक प्रति निविदा के नकद भुगतान करके प्राप्त किए जा सकते हैं। धरोहर धनराशि किसी भी बैंक/डाकघर की एफडीआर/सीडीआर/राष्ट्रीय बचत पत्र के रूप में अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड– नैनीडांडा के पक्ष में बंधक होनी चाहिए। बिना धरोहर धनराशि के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को निविदा बिना कारण बताए निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।

निविदा संख्या	निविदा प्रपत्र क्रय राशि (जी0एस0टी0 सहित)	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि (रू0)
09/2026–27	रू0 295/–	विद्युत वितरण खण्ड– नैनीडांडा के अधीन 33/11 के0वी0 उपसंस्थान–मझगाँव/धुमाकोट/स्यूँसी/रिखणीखाल/चाकीसैंण के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के अग्निशामक यंत्रों की आपूर्ति एवं स्थापना का कार्य प्रस्तावित ।	20000.00

पत्रांक : 296/वि0वि0ख0(नै0)/उपाकालि0/टी–6
दिनांक : 01.06.2026
अधिशासी अभियन्ता,
विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

सम्पादकीय

मित्रता हुई शर्मसार, उठे सवाल

मित्रता यूं तो एक सुखद एहसास है और अक्सर सीमाओं से परे जाकर मदद करने का एक साथ है, लेकिन यदि दोस्ती की आड़ में ही धोखा हो जाए तो फिर दोस्ती जैसे शब्द पर भी शंकाएं उठना स्वाभाविक है। सूर्या चौहान हत्याकांड उत्तर प्रदेश के हाल के सबसे चर्चित मामलों में से एक बन गया है। यह घटना गाजियाबाद के खोड़ा क्षेत्र में हुई, जहाँ 17 वर्षीय छात्र सूर्या चौहान की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पूरे इलाके में आक्रोश, तनाव और राजनीतिक बहस का माहौल बन गया। इस हत्याकांड ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। एक किशोर छात्र की निर्मम हत्या ने न केवल एक परिवार को गहरे दुख में डाल दिया, बल्कि समाज में सुरक्षा, कानून व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के बाद प्रतिक्रिया स्वाभाविक थी और कार्रवाई के जवाब में पुलिस ने फरार मुख्य आरोपी को मुठभेड़ में मार गिराया। मामला दो धर्म के बीच से जुड़कर काफी संवेदनशील बन गया था लिहाजा प्रशासन को कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करना पड़ा, और एक आरोपी के ढेर होने के अलावा तीन अन्य आरोपी भी पकड़े गए। इस मामले का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि किसी भी सभ्य समाज में हिंसा और हत्या का कोई स्थान नहीं हो सकता। चाहे अपराधी कोई भी हो और उसकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो, कानून से ऊपर कोई नहीं होना चाहिए। न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से दोषियों को सजा मिलना ही कानून के शासन की पहचान है।घटना के बाद राजनीतिक बयानबाजी भी देखने को मिली। विभिन्न राजनीतिक दलों और नेताओं ने अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दी लेकिन ऐसे संवेदनशील मामलों में राजनीतिक लाभ-हानि से ऊपर उठकर पीड़ति परिवार को न्याय दिलाने और सामाजिक शांति बनाए रखने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। यह घटना युवाओं में बढ़ती हिंसक प्रवृत्तियों, सामाजिक तनाव और स्थानीय स्तर पर संवाद की कमी जैसे मुद्दों की ओर भी ध्यान आकर्षित करती है। समाज, परिवार, विद्यालय और प्रशासन सभी की जिम्मेदारी है कि युवाओं को सकारात्मक दिशा मिले और विवादों का समाधान हिंसा के बजाय संवाद और कानून के माध्यम से हो। सूर्या चौहान हत्याकांड केवल एक आपराधिक घटना नहीं है, बल्कि यह समाज के सामने खड़े उन प्रश्नों का प्रतीक भी है जिनका समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। आवश्यक है कि निष्पक्ष जांच हो, दोषियों को कानून के अनुसार दंड मिले और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।न्याय केवल अपराधियों को सजा देने का नाम नहीं है, बल्कि ऐसा वातावरण बनाना भी है जिसमें हर नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस कर सुरक्षा का माहौल बनाना है। अब सवाल यह उठता है कि क्या दोस्ती में भी अब धर्म और जाति का ख्याल रखना पड़ेगा या फिर किसी के भी साथ दोस्ती जैसा रिश्ता निभाने के लिए एक-एक बिंदु को जांचना पर रखना होगा। इस घटना ने निश्चित तौर पर दो वर्गों के बीच बढ़ रही खाई को और गहरा कर दिया है।

बढ़ती विषमता का आईना

आय कर रिटर्न्स से उभरा रुझान साफ है। भारत में प्रत्यक्ष कर राजस्व अधिक से अधिक धनी वर्गों पर निर्भर होता जा रहा है। वैसे, विषमता बढ़ने की पुष्टि हवाई यात्रा संबंधी ताजा आंकड़ों से भी हुई है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए दाखिल हुए आयकर रिटर्न्स से देश में बढ़ रही आर्थिक गैर-बराबरी की झलक मिली है। एक अंग्रेजी वित्तीय अखबार के विश्लेषण के मुताबिक पांच लाख रुपये तक आमदनी वाले व्यक्तियों के रिटर्न की संख्या 2024-25 की तुलना में गिर कर लगभग आधी रह गई है। ऐसा संभवतः इसलिए हुआ कि गुजरे वित्त वर्ष में सरकार के आय कर दरों में बढ़ोतरी करने की वजह से बहुत से लोगों के लिए रिटर्न फाइल करने की अनिवार्यता नहीं रह गई। मगर इससे यह भी जाहिर होता है कि लोगों के क्रमिक रूप से ऊपर के आय वर्ग में शामिल होने का क्रम टूटा हुआ है। 2019-20 के बाद से 2022-25 तक पांच लाख से कम आबादी वाले वर्ग की ओर से सबसे ज्यादा रिटर्न फाइल होते थे। मगर अब पांच से दस लाख रुपये के बीच की आमदनी वाले समूह ने यह स्थान हासिल कर लिया है। 2024-25 में इस आय वर्ग में चार करोड़ 75 लाख रिटर्न फाइल हुए थे, जो पिछले वर्ष पांच करोड़ 45 लाख तक पहुंच गए। रुझान साफ है। भारत में प्रत्यक्ष कर राजस्व अधिक से अधिक धनी वर्गों पर निर्भर होता जा रहा है। वैसे, विषमता बढ़ने की पुष्टि हवाई यात्रा संबंधी ताजा आंकड़ों से भी हुई है। 2011-12 में हर दस लाख आबादी पर 649 परिवारों के 775 लोगों ने हवाई यात्रा की थी। तब कुल छह करोड़ 80 लाख हवाई यात्राएं हुईं। 2023-24 में हवाई यात्राओं की संख्या 15 करोड़ 37 लाख तक पहुंच गई। लेकिन ये यात्राएं हर दस लाख आबादी में 471 लोगों ने की, जो 469 परिवारों से आए। मतलब यह कि 2011 में हवाई यात्राओं की संख्या भले कम थी, मगर आबादी के हिसाब से यात्रियों का अनुपात कहीं बड़ा था।

सिस्टमः न्याय, सत्ता और संवेदनाओं के बीच की बेचैनी

'सिस्टम की कहानी दो महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। एक ओर है नेहा राजवंश, जो विशेषाधिकार प्राप्त दुनिया से आने वाली सरकारी वकील है, और दूसरी ओर है सारिका रावत, जो अदालत की दुनिया में अपेक्षाकृत निचले पायदान पर खड़ी एक स्टेनोग्राफर है। दोनों अलग-अलग सामाजिक पृष्ठभूमियों से आती हैं, लेकिन न्याय व्यवस्था के भीतर मौजूद असमानताओं और सत्ता के खेल से उनका सामना उन्हें एक साझा संघर्ष की ओर ले जाता है। फ़िल्म का मूल प्रश्न यही है कि क्या न्याय वास्तव में सबके लिए समान है, या फिर व्यवस्था केवल शक्तिशाली लोगों के पक्ष में काम करती है? निर्देशक अश्विनी अय्यर तिवारी ने अपने करियर में अक्सर साधारण लोगों की असाधारण कहानियां कही हैं। 'निल बट्टे सन्नाटाइ, 'बरेली की बर्फ़ीइ और 'पंगाइ जैसी फ़िल्मों में उन्होंने छोटे शहरों, पारिवारिक रिश्तों और व्यक्तिगत संघर्षों को बड़ी संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया था। 'सिस्टम में वह पहली बार अपेक्षाकृत गहरे और गंभीर कोर्टरूम स्पेस में प्रवेश करती हैं। यह बदलाव दिलचस्प है क्योंकि यहां उनका परिचित मानवीय दृष्टिकोण तो मौजूद है, लेकिन उसके साथ एक राजनीतिक और संस्थागत आलोचना भी जुड़ जाती है।

पंकज दुबे

भारतीय सिनेमा में अदालतों और न्याय व्यवस्था पर आधारित फ़िल्में हमेशा से दर्शकों को आकर्षित करती रही हैं। ऐसी फ़िल्मों की सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि वे केवल कानूनी बहसों तक सीमित न रह जाएं, बल्कि इंसानी भावनाओं, सामाजिक यथार्थ और सत्ता की जटिलताओं को भी अपने भीतर समेट सकें। अश्विनी अय्यर तिवारी द्वारा निर्देशित नई हिंदी फ़िल्म 'सिस्टम इसी चुनौती को स्वीकार करती है। आज के सिने-सोहबत में इसी फ़िल्म पर चर्चा करते हैं। 'सिस्टमइ केवल एक कोर्टरूम ड्रामा नहीं है, बल्कि उस व्यवस्था की पड़ताल है जिसमें सच, शक्ति और विशेषाधिकार अक्सर एक-दूसरे से टकराते दिखाई देते हैं। फ़िल्म में सोनाक्षी सिन्हा और ज्योतिका मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि आशुतोष गोवारिकर जैसे अनुभवी कलाकार कहानी को अतिरिक्त वजन देते हैं।

'सिस्टम की कहानी दो महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। एक ओर है नेहा राजवंश, जो विशेषाधिकार प्राप्त दुनिया से आने वाली सरकारी वकील है, और दूसरी ओर है सारिका रावत, जो अदालत की दुनिया में अपेक्षाकृत निचले पायदान पर खड़ी एक स्टेनोग्राफर है। दोनों अलग-अलग सामाजिक पृष्ठभूमियों से आती हैं, लेकिन न्याय व्यवस्था के भीतर मौजूद असमानताओं और सत्ता के खेल से उनका सामना उन्हें एक साझा संघर्ष की ओर ले जाता है। फ़िल्म का मूल प्रश्न यही है कि क्या न्याय वास्तव में सबके लिए समान है, या फिर व्यवस्था केवल शक्तिशाली लोगों के पक्ष में काम करती है?

निर्देशक अश्विनी अय्यर तिवारी ने अपने करियर में अक्सर साधारण लोगों की असाधारण कहानियां कही हैं। 'निल बट्टे सन्नाटाइ, 'बरेली की बर्फ़ीइ और 'पंगाइ जैसी फ़िल्मों में उन्होंने छोटे शहरों, पारिवारिक रिश्तों और व्यक्तिगत संघर्षों को बड़ी संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया था। 'सिस्टमइ में वह पहली बार अपेक्षाकृत गहरे और गंभीर कोर्टरूम स्पेस में प्रवेश करती हैं। यह बदलाव दिलचस्प है क्योंकि यहां उनका परिचित मानवीय दृष्टिकोण तो मौजूद है, लेकिन उसके साथ एक राजनीतिक और संस्थागत आलोचना भी जुड़ जाती है।

फ़िल्म का सबसे मजबूत पक्ष इसका वातावरण है। अदालत की कार्यवाही, कानूनी प्रक्रियाएं और उनके पीछे छिपी शक्ति संरचनाएं काफी विश्वसनीय लगती हैं। कैमरा अक्सर पात्रों के चेहरों पर ठहरता है, जिससे उनके भीतर चल रहे संघर्ष दर्शकों तक पहुंचते हैं। कई दृश्यों में संवादों से अधिक मौन काम करता है। अश्विनी अय्यर तिवारी यहां शोर मचाने वाली फ़िल्म नहीं बनातीं; वह दर्शकों को धीरे-धीरे उस दुनिया में ले जाती हैं जहां सच और झूठ के बीच की रेखा धुंधली होती जाती है।

सोनाक्षी सिन्हा ने नेहा राजवंश के किरदार में अपने करियर के सबसे परिपक्व अभिनय में से एक दिया है। यह किरदार केवल एक वकील का नहीं, बल्कि उस व्यक्ति का है जो अपने विशेषाधिकारों और नैतिक जिम्मेदारियों के बीच फंसी हुई है। सोनाक्षी ने इस आंतरिक संघर्ष को बड़े संयम से निभाया है। कई जगह उनके चेहरे के भाव संवादों से अधिक प्रभाव पैदा करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में 'दहाड़इ जैसी परियोजनाओं में उन्होंने जिस गंभीर अभिनय क्षमता का परिचय दिया था, 'सिस्टमइ उसे और आगे बढ़ाती है।

वहीं ज्योतिका फ़िल्म की भावनात्मक धुरी बनकर उभरती हैं। सारिका रावत के रूप में उनका प्रदर्शन अत्यंत स्वाभाविक और प्रभावशाली है। उनके किरदार में गुस्सा भी है, विवशता भी और आत्मसम्मान भी। ज्योतिका अपने अभिनय से यह महसूस करा देती हैं कि व्यवस्था के सबसे निचले स्तर पर खड़े लोग किस तरह रोज़ अन्याय का सामना करते हैं। कई दृश्यों में उनका अभिनय फ़िल्म को नई ऊंचाई देता है।

अशुतोष गोवारिकर का काम भी उल्लेखनीय है। उनका अनुभव स्क्रीन पर साफ़ दिखाई देता है। वह कहानी में स्थिरता और गंभीरता जोड़ते हैं। सहायक कलाकारों ने भी अपने हिस्से का काम ईमानदारी से किया है, जिससे फ़िल्म का संसार विश्वसनीय बनता है।

फ़िल्म का लेखन महत्वाकांक्षी है। यह केवल एक मुकदमे की कहानी नहीं कहना चाहता, बल्कि पूरे न्यायिक ढांचे पर टिप्पणी करना चाहता है। कई दृश्य ऐसे हैं जहां फ़िल्म महत्वपूर्ण सवाल उठाती है कि क्या कानून और न्याय एक ही चीज़ हैं? क्या सच हमेशा अदालत में जीतता है? क्या सामाजिक हैसियत फैसलों को प्रभावित करती है? इन प्रश्नों के कारण फ़िल्म विचारोत्तेजक बनती है।

हालांकि, यहीं फ़िल्म की कुछ कमजोरियां भी सामने आती हैं। कई बार ऐसा महसूस होता है कि फ़िल्म के पास अच्छे विचार तो हैं, लेकिन वह उन्हें पूरी गहराई तक विकसित नहीं कर पाती। कुछ उपकथाएं अधूरी लगती हैं और कुछ महत्वपूर्ण संघर्ष सतही स्तर पर ही रह जाते हैं। कोर्टरूम ड्रामा के रूप में फ़िल्म कई बार उतनी तीखी नहीं बन पाती जितनी उसकी विषयवस्तु मांग करती है।

फ़िल्म का दूसरा भाग विशेष रूप से मिश्रित प्रभाव छोड़ता है। शुरुआती हिस्से में जो रहस्य और तनाव निर्मित होता है, वह बाद में थोड़ी गति खो देता है। कुछ दृश्य अनावश्यक रूप से लंबे महसूस होते हैं। दर्शकों को यह भी लग सकता है कि फ़िल्म अपने सबसे साहसी राजनीतिक निष्कर्षों तक पहुंचने से पहले ही रुक जाती है। व्यवस्था की आलोचना मौजूद है, लेकिन वह कई बार सुरक्षित दायरे में रहती है।

तकनीकी पक्ष की बात करें तो फ़िल्म का कैमरावर्क काफ़ी प्रभावशाली है। अदालतों के बंद कमरों, गलियारों और वेटिंग क्षेत्र को जिस तरह फिल्माया गया है, वह कहानी के दबाव और घुटन को महसूस कराता है। बैकग्राउंड स्कोर भी संयमित है। संगीत कभी भी कहानी पर हावी नहीं होता, बल्कि उसके भावनात्मक स्वर को मजबूत करता है।

'सिस्टमइ की एक और विशेषता इसकी महिला दृष्टि है। यह फ़िल्म महिलाओं को केवल पीड़ित या आदर्शवादी पात्रों के रूप में नहीं दिखाती। यहां महिलाएं जटिल हैं, महत्वाकांक्षी हैं, गलतियां भी करती हैं और कठिन फैसले भी लेती हैं। अश्विनी अय्यर तिवारी का यह दृष्टिकोण हिंदी सिनेमा में अक्सर दिखाई नहीं देता। फ़िल्म की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक यही है कि वह अपने महिला पात्रों को पूर्ण मनुष्य की तरह प्रस्तुत करती है।

अश्विनी अय्यर तिवारी के फ़िल्मी सफर को देखें तो 'सिस्टमइ उनके लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ की तरह दिखाई देती है। यह उनकी सबसे परिपक्व या सबसे प्रभावशाली फ़िल्म नहीं है, लेकिन यह निश्चित रूप से उनकी रचनात्मक महत्वाकांक्षा को दर्शाती है। वह अपने परिचित भावनात्मक क्षेत्र से बाहर निकलकर एक बड़े सामाजिक और संस्थागत विषय को छूने की कोशिश करती हैं। यह प्रयास सम्मान के योग्य है, भले ही परिणाम पूरी तरह निर्दोष न हो।

मिलाजुला कर 'सिस्टमइ ऐसी फ़िल्म है जो अपने विचारों की वजह से याद रहती है, भले ही हर जगह समान रूप से प्रभावशाली न हो। यह दर्शकों को आसान जवाब नहीं देती, बल्कि उन्हें सवालों के साथ छोड़ती है। न्याय, सत्ता और नैतिकता के बीच मौजूद जटिल संबंधों पर सोचने के लिए मजबूर करती है। सोनाक्षी सिन्हा और ज्योतिका के मजबूत अभिनय, अश्विनी अय्यर तिवारी की संवेदनशील दृष्टि और फ़िल्म का सामाजिक सरोकार इसे देखने योग्य बनाते हैं।

यदि आप तेज़ रफ्तार थ्रिलर की उम्मीद लेकर बैठेंगे तो शायद 'सिस्टमइ आपको पूरी तरह संतुष्ट न करे। लेकिन अगर आप ऐसी फ़िल्में पसंद करते हैं जो समाज और व्यवस्था के भीतर छिपी परतों को खोलने की कोशिश करती हैं, तो यह फ़िल्म आपके समय की हकदार है। यह एक परफेक्ट कोर्टरूम ड्रामा नहीं है, लेकिन एक ईमानदार और विचारशील सिनेमाई प्रयास अवश्य है।

वीआईपी अपराधियों के लिए जेल मानो होटल?

रजनीश कपूर

सवाल है कि पैरोल का सिलसिला कानून है या विशेषाधिकार? हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिजनर्स एक्ट के तहत कैदियों को पैरोल और फरलो का प्रावधान है। इस कानून के अनुसार, एक साल की सजा पूरी करने के बाद कोई भी कैदी प्रति वर्ष 10 सप्ताह की पैरोल और 21 दिन की फरलो का हकदार है। राम रहीम को 2020 से 2026 तक 16 बार से ज्यादा पैरोल/फरलो मिल चुकी है। कुल मिलाकर 430 से अधिक दिन वे जेल से बाहर रहे।भारत में कानून की समानता का सिद्धांत संविधान का मूल आधार है। अनुच्छेद 14 कहता है कि कानून के समक्ष सब समान हैं। लेकिन वास्तविकता अक्सर इसके उलट दिखती है। बलात्कार और हत्या के मामलों में सज़ा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह का मामला इसका स्पष्ट उदाहरण है। रोहतक की सुनारिया जेल, जहां वे बंद हैं, उनके लिए लगभग होटल जैसी सुविधाओं का केंद्र बन गई है, जबकि आम कैदी कठिन परिस्थितियों में सजा काटते हैं।

उल्लेखनीय है कि 2017 में दो साध्वियों के साथ बलात्कार के मामले में 20 वर्ष की सजा पाने के बाद राम रहीम रोहतक जेल में बंद हैं। बाद में पत्रकार रामचंद्र छत्रपति और रंजीत सिंह हत्याकांड में आजीवन कारावास भी मिला। जेल में उनके लिए विशेष सेल, बोतलबंद पानी, सहायक कर्मी और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। एक पूर्व कैदी ने आरोप लगाया था कि राम रहीम को अन्य कैदियों से ज्यादा समय मुलाकात के लिए मिलता है। जबकि सामान्य कैदियों को मात्र 20 मिनट मिलते हैं, वहीं राम रहीम को घंटों की छूट दी जाती रही।

जेल प्रशासन ने इन आरोपों से इनकार किया, लेकिन राम रहीम को बार-बार मिलने वाली पैरोल और फरलो ने संदेह बढ़ाया है। रोहतक जेल में उनका रहना

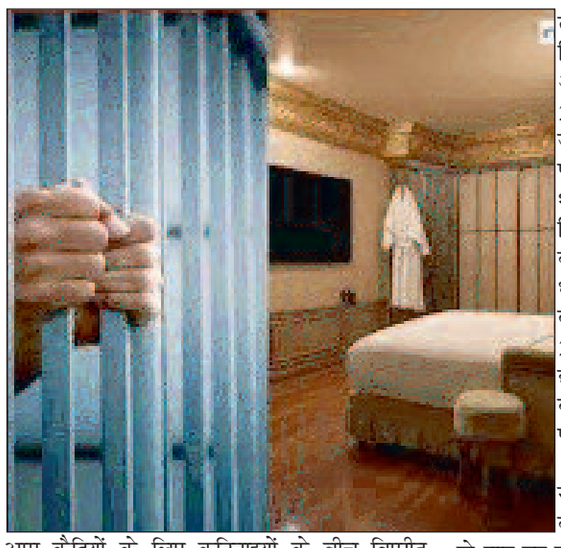

आम कैदियों के लिए कठिनाइयों के बीच विपरीत तस्वीर पेश करता है। जहां सामान्य कैदी भीड़भाड़, सीमित संसाधनों और सख्त नियमों में रहते हैं, वहीं राम रहीम को लगातार रिहाई और आरामदायक व्यवस्था मिलती रही।ऐसे में सवाल उठता है कि पैरोल का सिलसिला कानून है या विशेषाधिकार? हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिजनर्स एक्ट के तहत कैदियों को पैरोल और फरलो का प्रावधान है। इस कानून के अनुसार, एक साल की सजा पूरी करने के बाद कोई भी कैदी प्रति वर्ष 10 सप्ताह की पैरोल और 21 दिन की फरलो का हकदार है। फरलो को कैदी का अधिकार माना जाता है, जो सामाजिक और पारिवारिक संबंध बनाए रखने के लिए दी जाती है, जबकि पैरोल के लिए विशिष्ट कारणों की आवश्यकता होती है। लेकिन राम रहीम के मामले में इसका दुरुपयोग स्पष्ट दिखता है। 2020 से 2026 तक उन्हें 16 बार से ज्यादा पैरोल/फरलो मिल चुकी है। कुल मिलाकर 430 से अधिक दिन वे जेल से बाहर रहे। मई 2026 में मिली 30 दिन की पैरोल पर वे जेल से बाहर निकले और सिरसा डेरे पहुंचे। यह उनकी 2026 की दूसरी पैरोल थी। कथित तौर पर ये रिहाइयां अक्सर बिना किसी ठोस कारण के दी गई हैं। क्योंकि ये रिहाइयां अक्सर चुनावों, धार्मिक कार्यक्रमों या त्योहारों के आसपास दी गईं। 2022 पंजाब, 2023 राजस्थान, 2024 हरियाणा चुनावों से पहले भी ऐसी छूट मिली। डेरे के लाखों अनुयायी एक बड़ा वोट बैंक हैं, जिसका राजनीतिक फायदा उठाने के आरोप लगते रहे।

बलात्कार और हत्या के अपराधी राम रहीम की बार-बार रिहाई पीड़ित परिवारों के लिए अपमानजनक है। 2017 में सजा के बाद हुए दंगे में 40 लोगों की मौत हुई थी। गवाहों पर दबाव पड़ने की आशंका बनी रहती है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति समेत कई संगठन इन पैरोलों की निंदा करते हैं। पत्रकार अंशुल छत्रपति ने इसे "कानून का मजाक" बताया। आम कैदियों के लिए पैरोल मिलना मुश्किल होता है। हरियाणा के आंकड़ों के अनुसार, जेलों में हजारों कैदी हैं, लेकिन सीमित संख्या को ही ऐसी छूट मिलती है। ऐसे में ये कहना ग़लत नहीं होगा कि राम रहीम को मिलने वाली लगातार रिहाइयां अन्य कैदियों में असंतोष पैदा करती हैं।

गौरतलब है कि रोहतक की सुनारिया जेल सामान्य रूप से क्षमता से अधिक भरी रहती है। कैदियों को बुनियादी सुविधाएं भी मुश्किल से मिलती हैं। लेकिन राम रहीम के लिए यहां विशेष इंतजाम किए जाते रहे। आरामदायक रहन-सहन, बेहतर भोजन और लगातार बाहर जाने की छूट। यह जेल उनके लिए सजा की जगह आरामगाह बन गई है। एक तरफ़ तो जेल सुधार की बातें होती रहती हैं, लेकिन वहीं दूसरी ओर उच्च प्रभाव वाले कैदियों को मिलने वाली सुविधाएं व्यवस्था की कमजोरी उजागर करती हैं। जहां गरीब या सामान्य अपराधी सालों जेल में सड़ते हैं, वहीं प्रभावशाली व्यक्ति यहाँ एक लक्ज़री होटल जैसी जिंदगी जीते दिखते हैं।

सवाल उठता है कि इस का क्या समाधान संभव है? पैरोल और फरलो जैसे प्रावधानों का उद्देश्य पुनर्वास है, न कि दुरुपयोग। इसलिए पुलिस प्रशासन व सरकार को इनमें पारदर्शिता लानी चाहिए। जैसे कि, रिहाई के फैसले स्वतंत्र समिति से करवाए जाएं। चुनाव के समय पैरोल पर रोक लगे। सभी कैदियों के लिए समान नियम लागू हों। जेलों में सीसीटीवी और मैन्युअल निगरानी की सख्ती बढ़े।

गुरमीत राम रहिम के मामले में हरियाणा सरकार को खुद पर लगे आरोपों का जवाब देना चाहिए। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति और अन्य संगठनों की आलोचना को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

गुरमीत राम रहीम जैसे प्रभावशाली अपराधियों को मिलने वाले ऐशो-आराम का मामला सिर्फ एक व्यक्ति की कहानी नहीं है। यह न्याय व्यवस्था की निष्पक्षता पर सवाल है। रोहतक जेल अगर एक कैदी के लिए होटल बन जाती है, तो कानून की गरिमा कहां रह जाती है? पैरोल का प्रावधान सभी के लिए समान होना चाहिए, न कि चुनिंदा प्रभावशालियों के लिए विशेषाधिकार। समाज को इस भेदभाव के खिलाफ आवाज उठानी होगी। ताकि कानून वाकई सबके लिए समान हो।

राम रहीम की लगातार रिहाइयां न केवल पीड़ितों का अपमान हैं, बल्कि पूरे न्याय तंत्र पर सवालिया निशान लगाती हैं। जेल सजा की जगह होनी चाहिए, न कि आराम की।

ट्रंप (अमेरिका) अब मजाक हैं!

हरिशंकर व्यास

कोई महाशक्ति कैसे मात्र एक नेता से अपने को गंवा बैठती है, अपनी हैसियत-पहचान का फलूदा बना देती है, इसके इन दिनों ढेरों प्रमाण हैं। अमेरिका ढाई सौ साल का होने वाला है। पर देश अपने उस राष्ट्रपति के 80वें जन्मदिन के तमाशों में है, जिसने छह वर्षों में अमेरिका को फूंका कारतूस बना डाला। अमेरिका और ट्रंप की इस मजबूरी पर सोचें कि वह ईरान को मनाने के लिए पाकिस्तान पर निर्भर है। सभी अब ट्रंप के अमेरिका की हैसियत समझ रहे हैं। इजराइल, इस्लामी देश याकि ईरान, कतर, पाकिस्तान, रूस, चीन सभी की निगाहों में अमेरिका मानों थोथा चना बाजे घना। अमेरिका इतना असहाय पहले कब था जो सैनिक मिशन ईरान को खत्म करने का था और अब उसी से समझौते के लिए ट्रंप मरे जा रहे हैं।

सोचें, ट्रंप ने कितनी बार कहा है कि अमेरिकी सेना ने ईरान का सब कुछ खत्म कर दिया। फिर कितनी बार बोला कि ईरान से समझौता बस होने को है। दो दिन पहले ईरान ने खबर उड़ाई कि समझौता होने के कगार पर। ट्रंप हड़बड़ा गए। जवाब था बकवास है, ईरान ने मसौदा जरूर भेजा है पर मैंने फैसला नहीं किया! उसी दिन फिर ट्रंप ने ईरान के पड़ोसी ओमान को खत्म करने की धमकी दी! इसलिए क्योंकि ईरान-ओमान दोनों होमुर्ज की खाड़ी में टोल वसूली का तानाबाना बुन रहे हैं।

ईरान के ऐसे साहस के गहरे अर्थ हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने ट्रंप से ईरान पर हमला करवाया। और अब ट्रंप पाकिस्तान के जनरल मुनीर की कूटनीति के झांसे में हैं। पाकिस्तान ने चालाक लोमड़ी की तरह अरब-खाड़ी देशों के इस्लामी देशों और चीन से अपनी ऐसी पंचायत

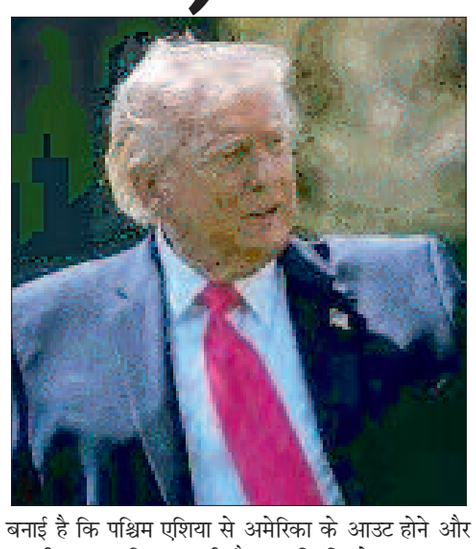

बनाई है कि पश्चिम एशिया से अमेरिका के आउट होने और उसकी जगह पाकिस्तान की सैन्य उपस्थिति के अवसर बन गए हैं। इस कूटनीति को ईरान के सवीच्च नेता मोज्तबा खामेनेई ने भी जाहिर किया है। उन्होंने कहा है कि पश्चिम एशिया की ताकतें अब अमेरिकी सैन्य ठिकानों के लिए ढाल नहीं बनेंगी। इस क्षेत्र में अमेरिका के पास सुरक्षित ठिकाना नहीं रहेगा।

क्या अर्थ है? कतर, बहरीन, सउद्दी अरब, ओमान, कुवैत, इराक सभी इस्लामी देश मानने लगे हैं कि अमेरिका न काम का न काज का। इसलिए क्योंकि न वह ईरान के घुटने टिका सका और न उसके मिसाइल, ड्रोन हमलों से इन देशों को बचा सका। उलटे अमेरिकी सैन्य अड्डों के होने से ईरान ने उन पर भी हमला किया। इलाके के मुसलमानों में ईरान का समर्थन दिखा। इसलिए अमेरिकी सैन्य ठिकानों को बनाए रखना जोखिम है न कि सुरक्षा की गारंटी। ऐसे में अरब-खाड़ी के इस्लामी देशों को किसकी जरूरत है? इस्लामी सैन्य महाशक्ति पाकिस्तान की है, व्यापार और कमाई वाले चीन की है। गाजा, लेबनान में इजराइल के तांडव के आगे ईरान की भी है।

इस तरह सामरिक, रणनीतिक, कूटनीतिक आदि के कामों में कभी वॉशिंगटन विश्व गुरू था। तभी उसकी वैश्विक चौधराहट थी। विश्व व्यवस्था में स्थिरता थी, संतुलन था। लेकिन सिर्फ और सिर्फ पैसे के लोभी तथा प्रॉपर्टी डीलर की तासीर में रंगे हुए ट्रंप ने, अपने आपको ईसा का अवतार जतलाते हुए अमेरिकियों को ऐसा मूर्ख बनाया जो अमेरिकी दिमाग भी कॉकरोच की दशा की और है। बुद्धि हाशिए में और झूठ का बोलबाला। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय, पेंटागन हो या विदेश-वाणिज्य-वित्त संबंधी मंत्रालय और उसके तमाम दिमागी थिंक टैंक सभी की सांसें वैसी ही खोखली हैं, जैसे बारह वर्षों से भारत में है।

सोचें, कभी जी-7 देशों, यूरोपीय नेताओं के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति का विचार-विमर्श व साझा था। अब ट्रंप पाकिस्तानी नेताओं, कतर, सउद्दी अरब, बहरीन के शेखों, इजराइल के नेतन्याहू या पुतिन, शी जिनपिंग से चोंच लड़ाते हैं। गुजरे सप्ताह गजब हुआ जो नेतन्याहू के प्रभाव में ट्रंप ने मुस्लिम नेताओं से बात की। तुर्किए के राष्ट्रपति एर्दोआन, सउदी अरब, यूएई, मिस्र और पाकिस्तान, शेखों, प्रधानमंत्रियों, राष्ट्रपति से बात कर उन्होंने कहा इस्लामी देशों को अब्राहम अकॉर्ड्स मानते हुए इजराइल से कूटनीतिक रिश्ते बना कर दोस्ती करनी चाहिए।

पश्चिम एशिया शांत नहीं हुआ तो क्या होगा

हरिशंकर व्यास

भारत का मुश्किल समय गंभीर होता हुआ है। खास कर आर्थिक मोर्चे पर भारत की स्थिति बिगड़ने वाली है। महंगाई बेकाबू होगी, शेयर बाजार में बनाई गई कृत्रिम तेजी ठंडी पड़ेगी, रुपया और गिरेगा, जिससे भारत का मुद्रा बाजार तेजी से खाली होगा। इसका बड़ा असर यह संभव है कि महंगाई बढ़ेगी और महंगाई बढ़ेगी तो अनिवार्य रूप से रिजर्व बैंक को ब्याज दरों में बढ़ोतरी करनी होगी, जिससे विकास दर कम होगी। अभी ही अर्थव्यवस्था की हालत देखते हुए संस्थागत विदेशी निवेशक यानी एफआईआई और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक यानी एफपीआई अपना पैसा शेयर बाजार से निकाल कर रहे हैं। यह ताजा खबर है कि ताइवान के शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों का मूल्य भारतीय शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार मूल्य से ज्यादा हो गया है।

अगर अमेरिका और ईरान के बीच स्थायी युद्धविराम नहीं होता है और होर्मुज की खाड़ी से पहले की तरह कच्चे तेल और गैस की निर्बाध आपूर्ति नहीं शुरू होती है तो भारत के लिए बहुत मुश्किल होगी। यह कहना आसान है कि भारत अपनी ऊर्जा जरुरतों को पूरा करने के लिए खरीद में विविधता ला रहा है। लेकिन वह विविधता सस्ती नहीं पड़ने वाली है। अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका या अमेरिका और वेनेजुएला से तेल की खरीद भारत को महंगी पड़ेगी। पश्चिम एशिया में स्थायी युद्धविराम होने और होर्मुज की खाड़ी खुलने के बाद भी आपूर्ति सामान्य होने में समय लगेगा।

इस बात का अंदाजा प्रधानमंत्री मोदी को है और उनकी नीतियों के समर्थक आर्थिक जानकारों को भी है। तभी सुरजीत भल्ला जैसे अर्थशास्त्री ने लिखा कि भाजपा चुनाव तो जीत रही है लेकिन देश की अर्थव्यवस्था बरबाद हो रही है। उन्होंने लिखा कि देश की अर्थव्यवस्था लगातार गिरती जा रही है। अब तो आर्थिक जानकार बुनियादी ढांचे में संरचनागत खामी बताने लगे हैं। वित्त आयोग के अध्यक्ष बनाए गए अरविंद पनगढ़िया और विश्व बैंक की गीता गोपीनाथ सलाह दे रहे हैं कि रुपए की साख बचाने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार से डॉलर निकाल कर बाजार में बेचना अच्छी रणनीति नहीं है। दूसरी ओर संघ से जुड़े स्वदेशी जागरण मंच के अश्विनी महाजन जैसे लोग हैं, जिनका कहना है कि किसी हाल में डॉलर की कीमत सौ रुपए से ऊपर नहीं जानी चाहिए। मुद्रा की कीमत में देश का सम्मान तलाशा जा रहा है। ऐसा भी इसलिए है क्योंकि नरेंद्र मोदी और भाजपा के दूसरे नेताओं ने मनमोहन सिंह के समय कहा था कि भारत की मुद्रा यानी रुपए की कीमत गिर रही है तो इससे देश का सम्मान घट रहा है।

बहरहाल, डॉलर महंगा होने और तेल की आपूर्ति प्रभावित होने से सम्मान पर जो असर पड़ रहा है, कीमतों पर बहुत भारी पडेगा। पेट्रोलियम उत्पादों से लेकर केमिकल और फर्टिलाइजर की कीमतें बढ़ रही हैं। ऊपर से इस साल सुपर अल नीनो की आशंका है, जिसके असर से अनाज की पैदावार कम होगी। इन सबका मिला जुला असर भारत की अर्थव्यवस्था और आम लोगों के जीवन पर बहुत बड़ा होने वाला है। इमरजेंसी की कोई तैयारी नहीं है। ले दे कर इतना ही सोच सकते है कि एक दिन घोषणा सुनाई देगी कि जैसे कोरोना के समय 20 लाख करोड़ रुपए का कर्ज देने का पैकेज दिया वैसा ही लोगों को कोई कर्ज देने का यह पैकेज!

19.50 प्रतिशत चढ़ा मुकुल अग्रवाल के निवेश वाली कंपनी का शेयर, नेट प्रॉफिट 143 प्रतिशत बढ़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। मल्टीबैगर स्टॉक के शेयरों की कीमतों में आज 19.50 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इस कंपनी का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 143 प्रतिशत बढ़ा है। यही वजह है कि आज कंपनी के शेयरों को खरीदने की होड़ सी मची है। बता दें, इस कंपनी में मुकुल अग्रवाल का भी निवेश है। उनकी हिस्सेदारी 1 प्रतिशत से अधिक का है। बीएसई में आज सोमवार को पीटीसी इंडस्ट्रीज के शेयर बीएसई में 17199.85 अंक पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 19.50 प्रतिशत की तेजी के साथ 19189.95 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। जोकि कंपनी के 52 वीक हाई 19439 रुपये के काफी नजदीक है। बता दें, कंपनी का 52 वीक लो लेवल 13300 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 27976 करोड़ रुपये रहा है। जनवरी से मार्च 2026 के दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 59.91 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 143 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 24.57 करोड़ रुपये रहा था। बता दें, तिमाही दर तिमाही के आधार पर कंपनी का प्रॉफिट 226 प्रतिशत बढ़ा है। एक्सचेंज को दी जानकारी के अनुसार कंपनी ने बताया है कि मार्च तिमाही के दौरान कंपनी का रेवन्यू 225.47 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले कंपनी का रेवन्यू 121.91 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार कंपनी के रेवन्यू में 85 प्रतिशत बढ़ा है। बता दें, दिसंबर तिमाही में 155.53 करोड़ रुपये का रेवन्यू रहा था। बता दें, पूरे वित्त वर्ष के दौरान पीटीसी इंडस्ट्रीज का नेट प्रॉफिट 101 करोड़ रुपये रहा है। एक्सपर्ट बुलिश सीएनबीसी टीवी18 की रिपोर्ट के अनुसार कॉल दिया है। ब्रोकरेज हाउस ने 25770 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। बता दें, इस कंपनी में मुकुल महावीर अग्रवाल की हिस्सेदारी 1.07 प्रतिसत है। मुकुल अग्रवाल के पास कंपनी के 160,000 शेयर हैं। शेयरों का प्रदर्शन कैसा है पिछले एक साल में पीटीसी इंडस्ट्रीज के शेयरों की कीमतों में एक साल में 21 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। पिछले एक साल में सेंसेक्स इंडेक्स 8.06 प्रतिशत गिरा है। दो साल में पीटीसी इंडस्ट्रीज के शेयरों की कीमतों में 120 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई है। 10 साल में पीटीसी इंडस्ट्रीज के शेयरों की कीमतों में 28258 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

जून 2026 में एक हफ्ता बंद रहेंगे बैंक

नईदिल्ली, एजेंसी। जून 2026 में बैंक ग्राहकों को अपने जरूरी काम समय रहते निपटा लेने चाहिए, क्योंकि

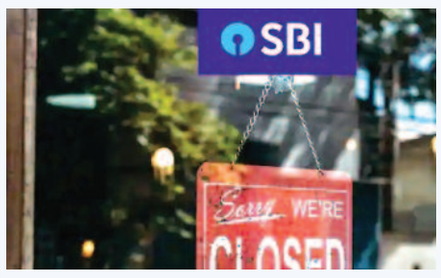

महीने के दौरान विभिन्न छुट्टियों, रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के कारण कई दिनों तक बैंक बंद रहेंगे। बैंक अवकाश की सूची के अनुसार जून में अलग-अलग राज्यों में त्योहारों और स्थानीय आयोजनों के चलते शाखाएं बंद रहेंगी। महीने की शुरुआत में 7 जून को रविवार होने के कारण देशभर में बैंक बंद रहेंगे। इसके बाद 13 जून को दूसरा शनिवार और 14 जून को रविवार होने से लगातार दो दिन बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहेंगी। 15 जून को वायएमए डे और राजा संक्रांति त्योहार के अवसर पर आइजोल और भुवनेश्वर में बैंक बंद रहेंगे। इसके बाद 21 जून को रविवार को छुट्टी रहेगी। इसके बाद 25 जून को मुहर्रम के कारण विजयवाड़ा में बैंक बंद रहेंगे, जबकि 26 जून को मुहर्रम के अवसर पर अगरतला, आइजोल, बेलापुर, बेंगलुरु, भोपाल, चेन्नई, हैदराबाद, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना, रायपुर, रांची, श्रीनगर समेत देश के अधिकांश हिस्सों में बैंकों की छुट्टी रहेगी। 27 जून को चौथा शनिवार और 28 जून को रविवार होने से लगातार दो दिन फिर बैंक बंद रहेंगे। महीने के अंत में 29 जून को संत कबीर जयंती के अवसर पर शिमला में बैंक अवकाश रहेगा, जबकि 30 जून को रेमना नी के कारण आइजोल में बैंक बंद रहेंगे। हालांकि, बैंक शाखाएं बंद रहने के बावजूद ग्राहक नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, एटीएम और डिजिटल पेमेंट सर्विस का उपयोग कर सकेंगे। बैंक ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि नकदी निकासी, चेक जमा करने या अन्य शाखा संबंधी कार्यों की योजना छुट्टियों को ध्यान में रखकर बनाएं।

चीन के जुगाड़ के आगे सब फेल, आंख में धूल झोंककर ले रहा प्रतिबंधित तेल

भारत के लिए मतलब, एक से दूसरे जहाज में ऐसे होता है तेल ट्रांसफर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के बढ़ते प्रतिबंधों और समुद्री नाकेबंदी के बावजूद चीन ईरानी तेल खरीदने में कामयाब है। अपने जुगाड़ तंत्र से उसने सारे अमेरिकी इंतजामों को फेल कर दिया है। ईरान पुराने टैंकरों के एक गुप्त नेटवर्क का इस्तेमाल करके चीन को कच्चा तेल भेजकर अरबों डॉलर का ऑयल रेवेन्यू कमा रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। चीन की इस खरीद-फरोख्त का भारत के लिए भी मतलब है। रिपोर्ट के अनुसार, मलेशिया के तट से 45 मील दूर समंदर में प्रतिबंधित टैंकर गुप्त रूप से एक जहाज से दूसरे जहाज में तेल ट्रांसफर करते हैं। ईरानी कच्चा तेल उन दूसरे जहाजों में उतार दिया जाता है जो चीनी बंदरगाहों की ओर जा रहे होते हैं। मई की शुरुआत में ऐसे ही एक ट्रांसफर को देखने के बाद बताया कि जहाजों के क्रू सदस्य जहाजों के नाम और पहचान नंबरों को तिरपाल या पेंट से छिपा देते हैं। अक्सर तेल के मूल स्थान को छिपाने के लिए ट्रैकिंग सिस्टम को बंद कर दिया जाता है। ये ऑपरेशन ईरान की अमेरिकी दबाव का सामना करने की क्षमता के लिए बहुत जरूरी हैं। ईरान के साथ चल रही बातचीत में अमेरिका

तेल प्रतिबंध हटाने से इनकार कर चुका है। अमेरिका ने हाल के महीनों में अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। उसने ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी की है। टैंकरों और चीनी तेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर प्रतिबंध लगाए हैं। हिंद महासागर में ईरान से जुड़े कई जहाजों को जब्त किया है। हालांकि, समुद्री विश्लेषकों के हवाले से जर्नल ने बताया कि इस व्यापार को पूरी तरह से रोकने के लिए एक अनिश्चितकालीन सैन्य मौजूदगी और चीन पर लगातार दबाव बनाए रखने की जरूरत होगी। एनर्जी एनालिटिक्स फर्म वोर्टेक्सा का अनुमान है कि लगभग 9 करोड़ बैरल ईरानी तेल नाकेबंदी से बाहर है। इसमें से ज्यादातर पहले से ही रास्ते में है या अपतटीय भंडार में रखा हुआ है। इससे तेहरान को भविष्य में अरबों डॉलर की कमाई हो सकती है। विश्लेषकों का कहना है कि तेल की खेप और पेमेंट में कई महीने लगने के कारण ईरान को शरद ऋतु तक पैसा मिलता रहेगा। चीन आधिकारिक तौर पर 2022 से ईरान से तेल आयात न करने की रिपोर्ट करता है। इसे विश्लेषक आगे के अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के प्रयासों का नतीजा मानते हैं। रिसर्चर्स सैटेलाइट इमेज, रुक-रुक कर मिलने वाले जहाज ट्रांसपोंडर संकेतों और सीमा शुल्क डेटा के जरिये व्यापार पर नजर रखते हैं। इससे पता चलता है कि चीन मलेशिया और इंडोनेशिया से असामान्य रूप से बड़ी मात्रा में तेल आयात कर रहा है।

ईरान ने चीन से तेल में कमाए 31 अरब डॉलर

अमेरिकी-चीनी आर्थिक और सुरक्षा समीक्षा आयोग के अनुसार, इसके बावजूद तेहरान ने पिछले साल चीन से तेल राजस्व के रूप में लगभग 31 अरब डॉलर कमाए। आयोग ने कहा कि चीन ईरान के तेल निर्यात का लगभग 90 प्रतिशत और ईरानी सरकार के बजट का लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा था। इस नेटवर्क को बनाए रखने में चीन की अहम भूमिका है। कई टैंकर-मालिक कंपनियां चीनी शहरों में रजिस्टर्ड हैं। क्रू सदस्य अक्सर चीनी होते हैं। तेल का बड़ा हिस्सा पूर्वी चीन में मौजूद स्वतंत्र 'टीपॉट' रिफाइनरियों तक पहुंचता है। जर्नल ने बताया कि बीजिंग ने सार्वजनिक रूप से अमेरिकी प्रतिबंधों का विरोध किया है। हाल ही में घरेलू कंपनियों को आदेश दिया है कि वे पांच चीनी रिफाइनरियों के खिलाफ अमेरिकी उपायों का पालन न करें।

फिर महंगा हुआ एलपीजी सिलेंडर, 53.50 तक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। एलपीजी सिलेंडर की कीमत में एक बार फिर बढ़ोतरी की गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 53.50 रुपये की बढ़ोतरी की है। बढ़ी हुई कीमतें आज से लागू हो गई हैं। दिल्ली

में इसकी कीमत अब 42 रुपये बढ़कर 3,113.50 रुपये हो गई है। कोलकाता में यह 53.50 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 3,255.50 रुपये का हो गया है। मुंबई में कमर्शियल सिलेंडर अब 3,024 रुपये से बढ़कीर 3,067.50 रुपये का हो गया है जबकि चेन्नई में इसकी कीमत 3,237 रुपये से बढ़कर 3,283 रुपये हो गई है। इंडस्ट्री के सूत्रों का कहना है कि 5 किलो वाले छोटू सिलेंडर की कीमत में भी 11 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इसी कीमत अब दिल्ली में 821.50 रुपये हो गई है। हालांकि घरों में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो के एलपीजी सिलेंडर की कीमत में एक बार फिर कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस तरह देश के करोड़ों उपभोक्ताओं को राहत दी गई है। 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 53.50 तक की बढ़ोतरी दिल्ली में इसकी कीमत अब 42 रुपये बढ़कर 3,113.50 रुपये हो गई है कोलकाता में यह 53.50 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 3,255.50 का हो गया है मुंबई में इसकी कीमत 3,067.50 रुपये और चेन्नई में 3,283 रुपये हो गई है 5 किलो वाले छोटू सिलेंडर की कीमत में भी 11 रुपये की बढ़ोतरी की गई है

कच्चे तेल की कीमत

ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। हालांकि पश्चिम एशिया में शांति की उम्मीद में पिछले हफ्ते कच्चे तेल की कीमत में 11 फीसदी गिरावट आई थी और इंडियन ऑयल बास्केट भी 6 मार्च के बाद पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया था। लेकिन आज हफ्ते के पहले दिन आज कच्चा तेल फिर उछला है। शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 2.55 फीसदी यानी 2.32 डॉलर की तेजी के साथ 93.44 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है।

मोदी सरकार की नई स्कीम, आपकी पूंजी आपका अधिकार

नईदिल्ली, एजेंसी। आपका पूंजी, आपका अधिकार अभियान : अगर आप या आपके परिवार के किसी सदस्य ने बैंक, बीमा, शेयर मार्केट या म्यूचुअल फंड में पैसा लगाकर भूल गया है। यह पैसा लगाने वाला व्यक्ति जीवित नहीं है तो उन पैसों को आप वापस पा सकते हैं। वित्त मंत्रालय ने नागरिकों को उनकी भूली-बिसरी और अनक्लेम्ड एसेट्स ढूंढने और वापस पाने में मदद करने के लिए एक साझा जागरूकता पहल शुरू की है जिसका नाम है 'आपका पूंजी, आपका अधिकार'। इसके तहत केंद्र सरकार ने एक वेबसाइट लॉन्च की है, जहां एक ही विंडो से यूजर्स को उपयुक्त नियामकों द्वारा संचालित पोर्टलों पर भेज दिया जाता है ताकि वे बैंक जमा, बीमा, शेयर आदि के क्लेम वापस ले सकें। वित्त मंत्रालय के बयान के अनुसार, इस सेवा के लिए किसी रजिस्ट्रेशन की आवश्यकता नहीं है, यह पूरी तरह मुफ्त है, और इस पर केवल सरकारी नियामकों के आधिकारिक संसाधनों तक पहुंच दी जाती है। बैंकों में पड़ी अनक्लेम्ड जमा रकम कैसे खोजें इस पोर्टल के माध्यम से लोग भारतीय रिजर्व बैंक के उद्गम पोर्टल पर जाकर बिना दावे के बैंक में जमा रकम की खोज कर सकते हैं। यह पोर्टल यूजर्स को उन जमाओं का पता लगाने की सुविधा देता है, जो सहभागी बैंकों में निष्क्रिय हो चुकी हैं या जिन पर दावा नहीं किया गया है। अगर पुराने बचत खाते, आरडी या लंबे समय से निष्क्रिय पड़े खाते अनक्लेम्ड जमा की श्रेणी में आते हैं तो वे सर्च रिजल्ट में दिख सकते हैं।

जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड का आईपीओ 5 जून को खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। प्रौद्योगिकी आधारित एंटरप्राइज़ परफॉर्मेंस एवं एनालिटिक्स समाधान प्रदाता जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड ने अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम को शुक्रवार, 05 जून 2026 को खोलने का प्रस्ताव रखा है। कंपनी का लक्ष्य ऊपरी प्राइस बैंड पर 54.66 करोड़ जुटाने का है। कंपनी के शेयर एनएसई इमर्ज प्लेटफ़ॉर्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे।

इस इश्यू का आकार 47,28,000 इक्विटी शेयरों का है, जिनका अंकित मूल्य 10 प्रति शेयर है। आईपीओ का प्राइस बैंड 110 से 116 प्रति शेयर निर्धारित किया गया है।

आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग नए उत्पादों के विकास हेतु पूंजीगत व्यय, उधारों के पुनर्भुगतान , कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं तथा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया गुरुवार, 04 जून 2026 को आयोजित की जाएगी। यह इश्यू शुक्रवार, 05 जून 2026 को खुलेगा और मंगलवार, 09 जून 2026 को बंद होगा।इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड हैं, जबकि रजिस्ट्रार की भूमिका बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड निभा रहा है। एनालिटिक्स और एआई समाधान प्रदाता के रूप में अपनी पहचान बनाई है। हमारा उद्देश्य विभिन्न उद्योगों के उद्यमों को मूल्य-आधारित डिजिटल परिवर्तन सेवाएं प्रदान करना है। जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री राकेश अग्रवाल ने कहा, यह आईपीओ

यह आईपीओ केवल पूंजी जुटाने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि हमारी क्षमताओं के विस्तार और बाजार में हमारी उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस इश्यू से प्राप्त राशि का उपयोग नए उत्पादों और तकनीकी समाधानों के विकास, कार्यशील पूंजी को सुदृढ़ करने, बुनियादी ढांचे और प्रतिभा में रणनीतिक निवेश करने तथा हमारी दीर्घकालिक विकास योजना को समर्थन देने के लिए किया जाएगा।

चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक श्री रतिराज तिबरेवाल ने कहाभारत का डिजिटल परिवर्तन और एंटरप्राइज एनालिटिक्स उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसका प्रमुख कारण कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड तकनीक, ऑटोमेशन और डेटा-आधारित निर्णय प्रक्रिया को व्यवसायों द्वारा तेजी से अपनाया जाना है। हमारा मानना है कि यह बदलता हुआ परिदृश्य जेनएक्सएआई एनालिटिक्स लिमिटेड जैसी प्रौद्योगिकी-केंद्रित कंपनियों के लिए दीर्घकालिक अवसर प्रदान करता है।

125 करोड़ के नए ऑर्डर के साथ सथलोखर सिनर्जीज़ की एफवाय27 ऑर्डर बुक 840 करोड़ के स्तर पर

चेन्नई, एजेंसी। ईपीसी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सथलोखर सिनर्जीज़ ई एंड सी ग्लोबल लिमिटेड को लगभग 125 करोड़ (जीएसटी को छोड़कर) के अतिरिक्त पुष्ट ऑर्डर प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही कंपनी की एफवाय27 के लिए कुल पुष्ट ऑर्डर बुक बढ़कर 840.22 करोड़ (जीएसटी को छोड़कर) हो गई है, जिससे आने वाली अवधि के लिए मजबूत राजस्व दृश्यता सुनिश्चित हुई है। नए प्रोजेक्ट्स औद्योगिक और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों से जुड़े हैं, जो कंपनी की मजबूत निष्पादन क्षमता और ग्राहकों के भरोसे को दर्शाते हैं। कंपनी को ग्रैंड अटलांटिया पनपक्कम एसइजेड डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड से चेन्नई के रानीपेट स्थित एसआइपीसीओटी पार्क में सिविल और पीइबी निर्माण कार्य का बड़ा ऑर्डर मिला है, जिसकी अनुमानित कीमत 105.37 करोड़ (जीएसटी सहित) है। इस परियोजना में वर्कशॉप भवनों, सहायक संरचनाओं और पार्किंग सुविधाओं का निर्माण शामिल है, जिसे मार्च 2027 तक पूरा किया जाना है। इसके अलावा, कंपनी को इसी औद्योगिक परियोजना के फेज 1बी के लिए 22.53 करोड़ (जीएसटी सहित) का अतिरिक्त सिविल और पीइबी कार्य ऑर्डर भी मिला है, जिसके फरवरी 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है।

सथलोखर सिनर्जीज़ को सीलोन बेवरेज कैन प्राइवेट लिमिटेड से महाराष्ट्र स्थित विनिर्माण इकाई में सिविल, पीइबी एमईपी, पाइपलाइन और प्लांट कोऑर्डिनेशन कार्यों के लिए 15.36 करोड़ (जीएसटी सहित) का ऑर्डर प्राप्त हुआ है। यह परियोजना सितंबर 2026 तक पूरी होने की संभावना है। कंपनी को श्रीलंका स्थित सीलोन बेवरेज कैन प्राइवेट लिमिटेड से भी एमईपी कार्यों के लिए लगभग 3.68 करोड़ का अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर मिला है, जिसे जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मजबूत हुई है, जिससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उसकी उपस्थिति को बढ़ावा मिलेगा तथा आने वाली तिमाहियों में स्थिर राजस्व वृद्धि और कारोबारी विस्तार को समर्थन मिलेगा।

भारतीय कंपनी की 'जादुई दवा' को अमेरिका में मंजूरी, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचे

भारतीय कंपनी की 'जादुई दवा' को अमेरिका में मंजूरी, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचे कंपनी के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। फार्मा पनी वॉकहार्ट लिमिटेड के यरों में तूफानी तेजी आई है। कहार्ट के शेयर सोमवार को ाजार खुलते ही 19 पर्सेंट के ारदार उछाल के साथ 2420 ये पर पहुंच गए हैं। कंपनी शेयर सोमवार को रिकॉर्ड चाई पर जा पहुंचे हैं। कहार्ट लिमिटेड ने घोषणा ी है कि यूएस फूड एंड ड्रग डमिनिस्ट्रेशन ने उसकी वेल इंट्रावेनस एंटीबायोटिक निच को अमेरिकी मार्केट के ए मंजूरी दे दी है। यह ीबायोटिक वयस्कों में म्प्लीकेटेड यूरिनरी ट्रैक्ट क्शंस के इलाज में काम ाती है। वॉकहार्ट की इस ीबायोटिक को मैजिक पिल मिरकल ड्रग भी कहा गया सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल

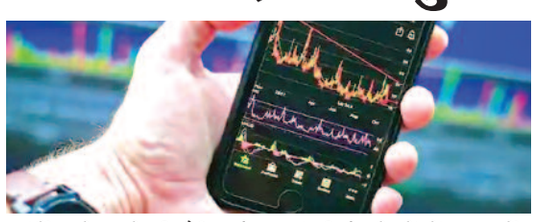

ऑर्गेनाइजेशन ने भी जैनिच के इंपोर्ट और इंडियन मार्केट में इसकी मार्केटिंग को मंजूरी दे दी है।

1425 रुपये से 2400 रुपये के पार पहुंचे शेयर: इंडियन फार्मा कंपनी वॉकहार्ट लिमिटेड के शेयरों में पिछले एक महीने में गजब की तेजी देखने को मिली है। वॉकहार्ट लिमिटेड के शेयर 4 मई 2026 को 1425.50 रुपये पर थे। फार्मा कंपनी के शेयर 1 जून 2026 को 2420 रुपये पर जा पहुंचे हैं। इस अवधि में कंपनी के शेयरों में 68 पर्सेंट से अधिक का उछाल देखने को मिला है। अगर पिछले 5 दिन की बात करें तो फार्मा कंपनी के शेयर 45 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर इस अवधि में 1579 रुपये से बढ़कर 2420 रुपये पर पहुंच गए हैं। फार्मास्युटिकल कंपनी वॉकहार्ट लिमिटेड ने बताया है कि जैनिच को 27 मई 2026 को ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया से भी मंजूरी मिल गई है।

एंटीबायोटिक को लेकर वॉकहार्ट ने क्या कहा...

फार्मा कंपनी वॉकहार्ट लिमिटेड के मुताबिक, जैनिच फोर्थ जेनरेशन सेफलॉस्पोरिन सेफेपाइम और जाइडबैक्टम को कंबाइंड करती है और यह एक साथ मई पेंसिलिन-बाइंडिंग प्रोटीन्स को टारगेट करती है। इस एंटीबायोटिक को पहले एफडीए से क्वॉलीफाइड इंफेक्शस डिसीज प्रॉडक्ट और फास्ट ट्रैक डेजिग्नेशंस मिल चुका है। यूएस एफडीए का यह अप्रूवल ऐसे समय आया है, जब एंटीमाइक्रोबिएल रेजिस्टेंस एक बड़ी हेल्थकेयर चुनौती बना हुआ है। वॉकहार्ट ने डेटा का हवाला देते हुए बताया है कि अमेरिका में हर साल 2.8 मिलियन से ज्यादा एंटीमाइक्रोबिएल-रेजिस्टेंट इंफेक्शंस होते हैं।

सेबी ने लगाया कंपनी पर 29 करोड़ रुपये जुर्माना, शेयर 4.8 प्रतिशत तक लुढ़का

नईदिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में की कीमतों में आज शुक्रवार को करीब 5 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में यह गिरावट सेबी की तरफ से लगाई गई पेनाल्टी के बाद देखने को मिली है। मार्केट रेगुलेटर ने सुजलॉन एनर्जी पर 29 करोड़ रुपये की पेनाल्टी लगाई है। बता दें, बीएसई में आज सुजलॉन एनर्जी के शेयर 56.12 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव करीब 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद यह स्टॉक 54.40 रुपये के स्तर पर आ गया है।

मार्केट रेगुलेटर सेबी ने सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड पर 15.95 करोड़ रुपये, विनोद आर तांती पर 5.75 करोड़ रुपये और गिरीश आर तांती पर 5.45 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। बाजार नियामक पूर्व मुख्य वित्त अधिकारियों - कीर्ति जे वागड़ी पर 1.5 करोड़ रुपये और अमित अग्रवाल पर 30 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। जलॉन एनर्जी लिमिटेड ने कहा कि वह कंपनी, उसके दो प्रवर्तकों और पूर्व मुख्य वित्त अधिकारियों (सीएफओ) पर 28.95 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने वाले सेबी के आदेश के खिलाफ प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) में अपील करेगी। बीएसई को दी जानकारी में सेबी ने 29 मई, 2026 को एक आदेश पारित किया, जिसमें उसने 27 जून, 2025 को दिए गए एक पूर्व न्यायिक निर्णय को रद्द कर दिया। सुजलॉन एनर्जी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में 5.6 प्रतिशत घटकर 1,114 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से डिफर्ड टैक्स क्रेडिट में कमी से कंपनी का लाभ घटा है। सुजलॉन ने वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 1,181 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था। हालांकि, इस तिमाही में कंपनी की ऑपरेटिंग रेवन्यू बढ़कर 5,468 करोड़ रुपये हो गई, जो 2024-25 की समान तिमाही में 3,774 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ बढ़कर 3,163 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 2,072 करोड़ रुपये था। पिछले तीन महीने में इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 28 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है।

रिद्धि डोगरा ने फेमिनिज्म पर रखी राय

बीते दिनों भोपाल से एक मॉडल ट्विशा शर्मा की मौत की खबर आई। यह मामला अब दहेज जैसी कुप्रथा से जाकर भी जुड़ गया है। इस मामले पर कई सेलेब्स भी रिएक्ट कर चुके हैं। रिद्धि डोगरा की पोस्ट भी इसी मामले से जुड़ी हुई लगती है। वह अपनी पोस्ट में लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने की सीख दे रही हैं, फेमिनिज्म का असली मतलब बता रही हैं।

रिद्धि ने पोस्ट में शादी पर कही बड़ी बात

रिद्धि डोगरा ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'युवा लड़कियों और लड़कों यह 2026 है। प्लीज शादी को जरूरत से ज्यादा रोमांटिक बनाना बंद करें। अब शादी पहले जैसी नहीं रही। लड़कों को यह समझना चाहिए कि लड़कियां अब हर बात पर आंख बंद करके विश्वास नहीं करेंगी, क्योंकि कानून और समाज ने उन्हें सशक्त बनाया है। आज वे नौकरी कर सकती हैं। समाज में सम्मान से जी सकती हैं। इसलिए उन्हें किसी पर निर्भर होकर जीने की जरूरत नहीं है। लड़कियों को शादी की जरूरत जिंदगी चलाने के लिए नहीं है।'

रिद्धि आगे लिखती हैं, 'लड़कियों प्लीज यह उम्मीद मत रखिए कि शादी के बाद आपका बॉयफ्रेंड कोई मिस्टर परफेक्ट बन जाएगा। वे भी इंसान है। इस नई दुनिया को समझने की कोशिश कर रहा है। उनके लिए यह बदलाव और भी नया है, क्योंकि उन्होंने एक अलग समाज देखा है, जहां पुरुषों से अलग उम्मीदें रखी जाती थीं। एक बार फिर कहूंगी, आप किसी फेयरीटेल जैसी शादी की उम्मीद मत रखिए। खुद को शिक्षित बनाइए। अपने लिए जीना सीखिए और अपने लिए खड़े होना सीखिए।

असली फेमिनिज्म का भी मतलब समझाया

रिद्धि ने जहां लड़कियों को आत्मनिर्भर बनने की सीख दी, वहीं असली फेमिनिज्म का मतलब भी समझाया है। वह लिखती हैं, 'असली फेमिनिज्म का मतलब समानता है। बस इतना ही, न इससे ज्यादा और न इससे कम। जब मैं लड़कियों के अधिकारों की बात करती हूं तो लड़कों के लिए भी आवाज उठाती हूं। फेमिनिज्म कभी भी पुरुषों को नीचा दिखाने के बारे में नहीं था। महिला और पुरुष एक-दूसरे के साथ ही पूरक हैं।'

अंतरात्मा की आवाज पर चुना 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाला किरदार

वेब सीरीज 'पंचायत' में रिंकी का मासूम किरदार निभाने के बाद अभिनेत्री सान्विका अब आगामी वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाले किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री इसमें माया के किरदार में एक शातिर ठग की भूमिका निभा रही हैं, जो रईस लड़कों को प्यार के जाल में फंसाकर उनसे शादी करती है और फिर नकदी व गहने लेकर फरार हो जाती है। अपने किरदार के बारे में खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि मेकर्स ने इस रोल के लिए उन्हें चुना। अभिनेत्री ने कहा, 'शुरुआत में तो मैं खुद सोच में पड़ गई थी कि क्या मैं पर्दे पर ऐसी शातिर ठग का किरदार निभा पाऊंगी, लेकिन मुझे खुशी है कि मेकर्स ने मुझ पर पूरा भरोसा किया।'

अभिनेत्री से आईएएनएस ने सवाल किया, 'पंचायत में दर्शकों ने आपको एक मासूम लड़की के तौर पर देखा था। क्या माया जैसा ग्रे किरदार चुनना आपके लिए एक जोखिम था?' इस सवाल के जवाब में सान्विका ने कहा, 'मैं इसे जोखिम बिल्कुल भी नहीं मानती, क्योंकि मैं किसी भी प्रोजेक्ट को चुनते समय अपने दिल की आवाज पर भरोसा करती हूं। जब मैंने पहली बार इस शो का छोटा-सा सारांश सुना था, तभी मैं इस किरदार को निभाने के लिए रोमांचित हो उठी थी। यह रोल मेरे लिए पहले निभाए गए किरदारों से बिल्कुल अलग है। एक कलाकार के तौर पर अपने अभिनय की विविधता दिखाने के ऐसे मौके बहुत कम मिलते हैं।'

सान्विका ने आगे बताया कि जहां आज के समय में ज्यादातर क्राइम शोज गंभीर, डार्क और तनावपूर्ण होते हैं, वहीं 'लुटेरी दुल्हन' थोड़ी अलग है। उन्होंने कहा, 'हमारी सीरीज अपराध के इर्द-गिर्द बुनी गई होने के बावजूद काफी हल्की-फुल्की और मनोरंजक है।' अभिनेत्री का कहना है कि यह एक महिला केंद्रित कहानी है। आमतौर पर भारतीय सिनेमा और शोज में पुरुष अपराधियों और पुरुष पुलिस अधिकारियों के बीच की जंग दिखाई जाती है, लेकिन इस सीरीज में दर्शकों को कुछ अलग देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, 'इस सीरीज में अनोखा ट्विस्ट यह है कि चोरी करने वाली अपराधी भी एक महिला है और उसका पीछा करने वाली पुलिस अधिकारी भी महिला ही है। यह बात कहानी में नयापन और ताजगी लाती है।'

आजकल ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर महिला प्रधान थ्रिलर फिल्मों और सीरीज का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इस बदलाव पर बात करते हुए सान्विका से पूछा गया कि क्या आज के दर्शक ग्लैमरस हीरोइनों के बजाय जमीन से जुड़े और गहरे किरदारों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं? अभिनेत्री ने कहा, 'आज का सिनेमा पूरी तरह बदल चुका है। दर्शकों के लिए अब पर्दे पर दिखने वाला ग्लैमर या चमक-धमक से कहीं ज्यादा कहानी की गहराई मायने रखती है। अगर कहानी में दम है, तो वह दर्शकों को जरूर बांधे रखेगी।'

शरवरी वाघ ने इम्तियाज अली के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया

बॉलीवुड निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर अभिनेत्री शरवरी वाघ काफी चर्चाओं में हैं। उन्होंने इंटरव्यू में इम्तियाज अली के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि इम्तियाज अली के साथ काम करना मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म का हिस्सा बनना नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर जैसा रहा। जब उनसे पूछा कि क्या इस फिल्म ने एक कलाकार के तौर पर उन्हें बदला है, तो उन्होंने कहा, ''हर अनुभव इंसान को कुछ नया सिखाता है, लेकिन इम्तियाज अली के साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास रहा। इस फिल्म में मुझे एक ऐसे किरदार को निभाने का मौका मिला, जिसकी भावनाएं बेहद अलग हैं।'' अभिनेत्री ने आगे कहा, ''इम्तियाज अली कलाकारों को सिर्फ डायलॉग या सीन समझाकर काम नहीं करवाते। वह कलाकारों को किरदार की भावनाओं के अंदर लेकर जाते हैं। वह कलाकारों को यह महसूस कराते हैं कि उनका किरदार क्या सोच रहा है, क्या महसूस कर रहा है और उसकी जिंदगी में क्या चल रहा है। यही वजह है कि उनके साथ काम करने के बाद कलाकार खुद को उस किरदार के बेहद करीब महसूस करने लगते हैं।''

शरवरी ने कहा, ''मेरे जैसे कलाकारों के लिए यह अनुभव काफी मददगार रहा। मैं और वेदांग दोनों इस बात से सहमत हैं कि इम्तियाज अली ने हमें प्यार, इंतजार और अपनेपन जैसी भावनाओं को गहराई से समझने में मदद की। फिल्म में यह दिखाया गया है कि इंसान आखिर कहां खुद को सबसे ज्यादा जुड़ा हुआ महसूस करता है और उसके दिल में कौन-सी भावनाएं सबसे ज्यादा मायने रखती हैं।'' उन्होंने इम्तियाज अली की फिल्मों की खासियत पर बात करते हुए कहा, ''उनकी कहानियों में अक्सर ऐसे किरदार होते हैं, जो जिंदगी

के एक अहम मोड़ से गुजर रहे होते हैं। यह वह समय होता है जब इंसान खुद को समझता है, रिश्तों को पहचानता है और दुनिया को नए नजरिए से देखना शुरू करता है। इस तरह के किरदार को निभाना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा, क्योंकि मुझे लगा जैसे मैं खुद भी जिंदगी के उन एहसासों को दोबारा जी रही हूं।'' अभिनेत्री ने कहा, ''मैंने इम्तियाज अली के साथ काम करने का हर पल खूब एंजॉय किया। निर्देशक की सबसे बड़ी खासियत यही है कि वह कलाकारों से दिल से जुड़ा अभिनय निकलवाते हैं।'' फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शक्तिमान पर आधारित नहीं है अल्लू अर्जुन की अगली फिल्म

90 और 2000 के दशक में बच्चों के लोकप्रिय शो 'शक्तिमान' की आज भी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। यही कारण है कि काफी वक्त से शक्तिमान पर फिल्म बनाने की चर्चाएं भी चल रही हैं। रणवीर सिंह का नाम भी इसके लिए आगे आता रहा है, लेकिन मुकेश खन्ना रणवीर के नाम पर सहमत नहीं हुए। इस बीच ऐसी भी चर्चाएं सामने आईं कि अल्लू अर्जुन की बेसिल जोसेफ के साथ मच अवेटेड आगामी फिल्म 'शक्तिमान' पर ही आधारित है। बेसिल इससे पहले 2021 में आई टोविनो थॉमस की सुपरहीरो फिल्म 'मिन्नल मुरली' बना चुके हैं। यह फिल्म काफी सफल रही थी। हालांकि, खबरों के वायरल होने के बाद अब मेकर्स ने अल्लू अर्जुन की इस मच अवेटेड फिल्म को लेकर स्पष्टीकरण जारी किया है। निर्देशक अरुण अनिरुधन, जिन्होंने टोविनो और बेसिल की हालिया फिल्म 'अथिराडी' का निर्देशन किया है, ने फिल्म निर्माता-अभिनेता के साथ शक्तिमान पर काम करने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'पॉलसन (स्कारिया) और मैं बेसिल की अगली फिल्म की पटकथा लिख रहे थे। दुर्भाग्य से इसकी शूटिंग शुरू नहीं हो पाई। शक्तिमान एक बहुत बड़ी फिल्म बनने वाली थी। मुझे नहीं पता कि यह बनेगी या नहीं, मामला काफी पेचीदा है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वे जिस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं, जिसकी अभी घोषणा नहीं हुई है वह शक्तिमान है? इस पर निर्देशक ने जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि नहीं, इसका शक्तिमान से कोई संबंध नहीं है। यह कुछ अलग है। फिल्म से जुड़े सभी अपडेट जल्द ही साझा किए जाएंगे।

मुकेश खन्ना ने अल्लू अर्जुन को बताया शक्तिमान के लिए परफेक्ट

अल्लू अर्जुन के शक्तिमान का रोल करने की चर्चाएं इसलिए भी उठती रहती हैं, क्योंकि मुकेश खन्ना ने अल्लू अर्जुन को इसके लिए सबसे उपयुक्त बताया था। जबकि मुकेश खन्ना ने रणवीर सिंह का शक्तिमान के तौर पर खुला विरोध किया था। साल 2024 में मुकेश खन्ना ने कहा था, 'मैं अभी कुछ भी पक्का नहीं कह रहा हूं, लेकिन मुझे लगता है कि अल्लू अर्जुन शक्तिमान बन सकते हैं।

मेरी जिंदगी का मंत्र है ऑथेंसिटी इज पावर और मैं ऑथेंटिक ही रहना चाहती हूं

बहुप्रशंसित फिल्म '12वीं फेल' में अपनी अदायगी के लिए सराही गईं ऐक्ट्रेस मेधा शंकर हाल ही में रोमांटिक कॉमिडी फिल्म गिन्नी वेड्स सनी 2 में मुख्य भूमिका में नजर आईं। एक खास मुलाकात में हमने उनके फिल्मी सफर, मौजूदा पैप कल्चर, शादी, आदर्श पार्टनर जैसे कई विषयों पर चर्चा की:

लड़कियों को अक्सर कपड़ों, बिंदास एटीट्यूट के लिए जज किया जाता है, जैसा कि फिल्म में गिन्नी के साथ भी होता है। जब आपने ऐक्टिंग को करियर चुना तो घर में क्या प्रतिक्रिया रही? कोई मानदंड भी तय किए गए थे?

मेरे साथ ये हुआ कि दुर्भाग्य से मैं पढ़ने में अच्छी थी। दुर्भाग्य इसलिए क्योंकि मेरे पापा कहते थे कि अरे, ऐक्टर तो वे बनते हैं जो पढ़ाई में कमजोर में होते हैं। तुम्हें क्यों ऐक्टर बनना है? इस चक्कर में मुझे मास्टर्स भी करना पड़ा क्योंकि मेरी रैंक अच्छी आई थी। फिर पापा चाहते थे कि मैं जॉब भी कर लूं पर मैंने कहा कि सॉरी, तो पापा बिल्कुल खिलाफ थे। वैसे भी, जब आप बाहर से आते हैं तो इंडस्ट्री के प्रति नजरिया भी बहुत अच्छा नहीं होता। सबको लगता है कि यहां कुछ गंदा ही होगा मगर जब आप करीब जाते हैं तो लगता है कि यार, ऐसा क्यों बोल रहे थे लोग। ऐसा तो बुरा नहीं है। हालांकि, मेरी मॉम और भाई बहुत सपोर्टिव थे। मॉम को तो लगता था कि उनकी ही बेटी ऐश्वर्या राय है, लेकिन अब पापा की सोच भी बहुत बदल चुकी है।

लड़की होने के नाते शादी को लेकर कभी कोई दबाव रहा?

मेरे घर पर तो इतना कुछ नहीं रहा। हां, 12वीं फेल के पहले रिश्तेदार जरूर थोड़ा कहते थे कि अब शादी कब कर रही हो, मगर मैं इन चीजों को कभी सीरियसली नहीं लेती, जब तक कि मेरे पापा नहीं कहते और पापा की ओर से ऐसा दबाव अब तक नहीं रहा। मेरे पापा की सोच यह है कि अच्छा इंसान मिले तो ही शादी करो। जल्दबाजी में गलत इंसान से शादी नहीं करना, उन्हें यह फिक्र ज्यादा रहती है।

आपके पार्टनर में कौन सी खूबियां होना अनिवार्य है। आपके लिए प्यार के रिश्ते में रेड फ्लैग और ग्रीन फ्लैग क्या है?

मेरे हिसाब से कोई भी पूरी तरह ग्रीन फ्लैग या रेड फ्लैग नहीं होता। जब आप किसी से प्यार करते हैं तो उसें कुछ खूबियां होंगी, कुछ कमियां भी होंगी। आपको दोनों को अपनाकर प्यार करना होता है। फिर किसी भी रिश्ते में हम थोड़ा ठोंक-पीटकर ही साथ आते हैं। ऐसा नहीं होता कि आप पूरी तरह एक दूसरे में फिट हो जाएं। हां, ये जरूर है कि उसमें बहुत शिद्दत से प्यार करने की क्षमता और रिश्ता निभाने की ताकत हो। मुझे लगता है कि प्यार करना आसान होता है, मगर आज के दौर में वो रिश्ता निभाने की ताकत बहुत कम है।

पैप कल्चर को लेकर क्या अनुभव रहा है?

जब 12वीं फेल इतनी बड़ी हिट हुई थी, तब मेरा कोई पीआर नहीं था, कोई एजेंसी नहीं थी। मुझे लगता है कि ये जो लोगों का रियल प्यार होता है न, वो पीआर फैब्रिकेट नहीं कर सकते हैं। हो सकता है लोग करते हो लेकिन मुझे नहीं पता। मेरे साथ जब हुआ तो मुझे नहीं पता कि वो इतना प्यार कहां से आया, पर मुझे बहुत अच्छा लगा। मेरी जिंदगी का एक मंत्र है कि ऑथेंसिटी इज पावर (रियल रहना असल ताकत है) और मैं ऑथेंटिक रहना चाहती हूं। मेरा मानना है कि मैं जो हूं, कमाल हूं। मुझे कोई और बनने की जरूरत नहीं है। लोग कहते हैं कि ये तो करना ही पड़ता है। मुझे किसी ने बोला कि तुम्हें ज्यादा विजिबल होना पड़ेगा। ये इतना बड़ा शब्द है- विजिबिलिटी और मेरा रिएक्शन था कि किधर विजिबल। मुझे बोला कि लोग रील्स के जमाने में हैं, वे भूल जाते हैं तो मुझे ये बड़ा अजीब लगा कि मैंने 12वीं फेल की है, उसे लोग भूल जाएंगे? मैं रेस्त्रां, जिम या इवेंट से निकलते पैप हो जाऊं, तभी विजिबल हूं तो यह एक ऐसी चीज है जो मैं बैलेंस करने की कोशिश कर रही हूं। मैं समझती हूं कि सिलेब्रिटी होने का यह भी एक बहुत बड़ा हिस्सा है लेकिन वो मैं अपने हिसाब से करती हूं जो मुझे सही लगता है।

75 किमी. मैराथन में दिगंबर, मीनाक्षी, चरण, आशा, कृष्णा रहे अव्वल

नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन' सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन और रोजगार का बनेगा माध्यम
नीति घाटी का जागरण सीमांत स्वाभिमान की नई इबारत

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : सीमांत जनपद चमोली की सुरम्य एवं सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नीति घाटी में 31 मई से 2 जून तक आयोजित हो रहे 'नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन' के अंतर्गत विभिन्न स्पर्धाओं के विजेताओं को सम्मानित करते हुए पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। 75 किलोमीटर ओपन वर्ग में दिगंबर सिंह प्रथम, अर्जुन प्रधान द्वितीय एवं विजय सिंह तृतीय रहे। महिला वर्ग में मीनाक्षी प्रथम, मीना कुमारी सुब्बा द्वितीय एवं फलेश्वरी रजवाड़े तृतीय रहीं। 75 किलोमीटर 50 प्लस आयु वर्ग में चरण सिंह प्रथम, किशन बढ़वार द्वितीय एवं रतन सिंह सोनल तृतीय रहे। महिला वर्ग में आशा सिंह प्रथम एवं कशीरसगरा रमसमिता द्वितीय रहीं। 75 किलोमीटर 60 प्लस आयु वर्ग में कृष्णा तमांग प्रथम, महिपाल सिंह द्वितीय एवं शिवेंद्र सिंह बिष्ट तृतीय रहे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्चुअल माध्यम से समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में संचालित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत आयोजित यह आयोजन सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सीमांत गांवों को ह्रदेश का पहला गांवह्र मानते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए 'नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन' जैसे आयोजन उनका जीवंत उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वाइब्रेंट विलेज योजना के माध्यम से सीमांत क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होने के साथ रिवर्स माइग्रेशन को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। उन्होंने बताया कि नीति क्षेत्र में होम स्टे की संख्या 35 से बढ़कर 450 से अधिक हो चुकी है, जो इस क्षेत्र में पर्यटन की बढ़ती संभावनाओं का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि 11 हजार फीट की ऊंचाई पर आयोजित यह अल्ट्रा रन युवाओं के अदम्य साहस, ऊर्जा और आत्मविश्वास का प्रतीक बनकर उभरा है। ह्रनीति घाटी का यह जागरण केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि सीमांत क्षेत्रों के स्वाभिमान, स्वावलंबन और नए विश्वास की नई इबारत है। उन्होनें कहा यह अभियान यहीं नहीं रुकेगा, बल्कि उत्तराखंड की हर सीमांत घाटी तक पहुंचेगा। पर्यटन

विभाग द्वारा भारतीय सेना एवं आईटीबीपी के सहयोग से आयोजित इस अनूठे आयोजन में देश के 27 राज्यों से आए 1200 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। तीन दिवसीय इस आयोजन का उद्देश्य सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देना, स्थानीय संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान दिलाना तथा युवाओं में फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। 'नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन' के अंतर्गत 5, 10, 21, 42 एवं 75 किलोमीटर की विभिन्न स्पर्धाओं में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मलारी गांव में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में पर्यटन सचिव धीराज गर्ब्याल सहित अन्य अतिथियों ने विजेताओं को पुरुष्कार धनराशि एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

पांच किमी. दौड़ में हर्षित, रेखा, प्रकाश, अर्पिता ने मारी बाजी

5 किलोमीटर (18 वर्ष से कम आयु वर्ग) पुरुष वर्ग में हर्षित यादव प्रथम, आयुष कुमार द्वितीय एवं शिवम भुजवान तृतीय रहे। महिला वर्ग में रेखा प्रथम, भावना रावत द्वितीय एवं राधिका तृतीय स्थान पर रहीं। 05 किलोमीटर ओपन वर्ग के पुरुष वर्ग में प्रकाश भट्ट प्रथम, मोहम्मद अशरफ द्वितीय एवं मोहम्मद क्वासम तृतीय रहे। महिला वर्ग में अर्पिता सैनी प्रथम, वाई. तिमनाह द्वितीय एवं अनिता चौहान तृतीय रहीं। 10 किलोमीटर ओपन वर्ग के पुरुष वर्ग में सुरेंद्र सिंह प्रथम, मन्नू सिंह द्वितीय एवं सजन पंवार तृतीय रहे। महिला वर्ग में पूजा बिष्ट प्रथम, निशा नेगी द्वितीय एवं ईशा बर्त्वाल तृतीय रहीं। 10 किलोमीटर 60 प्लस आयु वर्ग में दलबीर सिंह प्रथम, गोविंद कुमार राणा द्वितीय एवं सतीश चंद चौहान तृतीय रहे। 21 किलोमीटर ओपन वर्ग में लोकेश कुमार प्रथम, दीपक रावत द्वितीय एवं कुलदीप नेगी तृतीय रहे। महिला वर्ग में प्रिया प्रथम, निकिता खोलिया द्वितीय एवं आयुषी कनवाल तृतीय रहीं। 21 किलोमीटर 50 प्लस आयु वर्ग में दीपेश जोशी प्रथम, नंदन सिंह द्वितीय एवं पवन तृतीय रहे। महिला वर्ग में अनुदा तमांग प्रथम, अंजू कुटियाल द्वितीय एवं इंदिरा दीवान तृतीय रहीं। 42 किलोमीटर ओपन वर्ग में यश राज प्रथम, सत्यम द्वितीय एवं महेंद्र सिंह बिष्ट तृतीय रहे। महिला वर्ग में दिया प्रथम, अर्पिता सैनी द्वितीय एवं अंजू तृतीय रहीं। 42 किलोमीटर 40 प्लस आयु वर्ग में सतपाल प्रथम, महेश यादव द्वितीय एवं कलम सिंह बिष्ट तृतीय रहे। महिला वर्ग में मीना कंडारी प्रथम, सुष्मिता राय द्वितीय एवं शांति राय तृतीय रहीं। 42 किलोमीटर 60 प्लस आयु वर्ग में थॉमस प्रथम, मुकेश राणा द्वितीय एवं सतीश चंद्रा तृतीय रहे।

एक नजर

महिलाओं के लिए 14 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

रुद्रप्रयाग। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद व रेल विकास निगम लिमिटेड के माध्यम से ग्राम तिलनी में महिलाओं के लिए 14 दिवसीय सूक्ष्म कौशल उद्यमिता विकास कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन ग्राम प्रधान प्रतिभा बिष्ट ने किया। प्रशिक्षण में ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना से प्रभावित महिलाओं को मिलेट्स आधारित बेकरी उत्पाद तैयार करने की तकनीकी जानकारी दी। परियोजना अधिकारी दिलीप सिंह कुशवाह ने प्रशिक्षण के उद्देश्य, उद्यमिता की अवधारणा व व्यवसायिक संभावनाओं पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को बिजनेस आइडिया, नवाचार और उद्यम स्थापना की प्रक्रिया से भी अवगत कराया।

कार्यक्रम के तहत छह दिन उद्यमिता विकास व आठ दिन मिलेट्स आधारित उत्पादों जैसे कुकीज, नमकीन, केक और लड्डू बनाने का तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके साथ ही बिक्री संवर्धन, लागत निर्धारण, मूल्य निर्धारण, सोशल मीडिया मार्केटिंग और विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की जाएगी। ग्राम प्रधान ने कहा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह पहल सराहनीय है और इससे ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे।

पेयजल योजना की स्वीकृति पर जताई खुशी

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ विधानसभा क्षेत्र में ऊखीमठ नगर पंचायत–पिंगलापानी पेयजल योजना की 2578 लाख रुपये की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति मिलने पर लोगों ने खुशी जताई। निरीक्षण भवन आयोजित कार्यक्रम में केदारनाथ विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार जनहित व विकास कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रही है। नगर पेयजल योजना की स्वीकृति क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस अवसर पर महिला आयोग सदस्य दर्शनी पंवार, मंडल अध्यक्ष दलवीर नेगी, सभासद बलबीर सिंह, पूजा देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य भरत सिंह, प्रधान सुलेखा देवी, किसान मोर्चा अध्यक्ष संदीप पुष्पवान और दुर्गा देवी आदि उपस्थित थे।

कार्तिक स्वामी मंदिर में पांच जून से होगा अनुष्ठान

रुद्रप्रयाग। कार्तिक स्वामी मंदिर में पांच से 15 जून तक होने वाले महायज्ञ एवं पुराण वाचन कार्यक्रम की तैयारी बैठक हुई। कार्तिकेय मन्दिर समिति अध्यक्ष बिक्रम सिंह नेगी ने बताया कि 11 दिवसीय इस अनुष्ठान के अंतर्गत महायज्ञ, पुराण वाचन, भजन–कीर्तन, प्रवचन व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सचिव बलराम सिंह नेगी ने बताया कि कार्तिक स्वामी मंदिर भगवान शिव एवं माता पार्वती के ज्येष्ठ पुत्र देवसेनापति भगवान कार्तिकेय की तपस्थली है। उपाध्यक्ष उत्तराज नेगी ने बताया कि आयोजन को लेकर मंदिर परिसर, पैदल मार्ग, पेयजल व्यवस्था, स्वच्छता और श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष चंद्र सिंह नेगी, प्रबंधक पूर्ण सिंह नेगी और उप प्रबंधक रमेश नेगी आदि उपस्थित रहे।

चंद्रापुरी में शराब की उपदुकान खोलने की चर्चा, लोगों ने किया विरोध

रुद्रप्रयाग। चंद्रापुरी बाजार में शराब की उप दुकान खोले जाने की चर्चाओं से लोगों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र की जनभावनाओं के विपरीत यदि उप दुकान खोली गई तो इसका विरोध किया जाएगा।

सोमवार को ग्रामीण आबकारी अधिकारी से मिले और ज्ञापन सौंपा। अगस्त्यमुनि ब्लॉक के प्रधान संगठन के अध्यक्ष मनोज वैष्णव ने बताया कि 31 मार्च 2024 को हुई एक बैठक में ग्रामीणों, व्यापारियों और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में शराब की उप दुकान न खोले जाने का प्रस्ताव पारित किया गया था। जिला आबकारी अधिकारी ने लोगों के एकमत के बाद चंद्रापुरी में शराब की उप दुकान नहीं खोले जाने का निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि चंद्रापुरी चारधाम यात्रा मार्ग का महत्वपूर्ण पड़ाव होने के साथ धार्मिक और सामाजिक दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है। ऐसे में शराब की दुकान खोले जाने की चर्चा से लोगों में नाराजगी है। अगर ऐसा हुआ तो आंदोलन किया जाएगा।

पदोन्नति में आरक्षण और बैकलॉग भरने की उठाई मांग

नई टिहरी। भीम आर्मी ने अनुसूचित जाति, पिछड़े, अल्पसंख्यक और आदिवासी वर्ग के लिए विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया में पूर्ण आरक्षण लागू करने की मांग की है। भीम आर्मी ने डीएम को दिए ज्ञापन में पदोन्नति में आरक्षण और बैकलॉग भरने की मांग भी उठाई है। कलेक्ट्रेट पहुंचे भीम आर्मी के सदस्यों ने डीएम को दिए ज्ञापन में कहा कि देश में रह रहे दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक और आदिवासी वर्ग का आजादी के 75 साल बाद भी आर्थिक और सामाजिक स्थिति में कोई बदलाव नहीं आ पाया है जबकि संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान में देश शोषित, पीड़ित, वंचित, उपेक्षित लोगों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार करने के लिए आरक्षण की व्यवस्था की थी। लेकिन इन वर्गों को आरक्षण का पूर्ण रूप से अवसर नहीं मिल पाया है। नीट, जेईई और यूपीएससी में भी एससी, एसटी और ओबीसी को संख्या के आधार पर पूर्ण आरक्षण लागू किया जाए। ज्ञापन देने वालों में भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष जगदीश, प्रवीन डोडियाल, मीरा डोगरा, दिनेश, दिनेश दास, बिमला देवी शामिल थे।

आपदा की स्थिति के लिए ड्राई राशन के पैकेट रखें तैयार

रुद्रप्रयाग। आयुक्त गढ़वाल मंडल आनंद स्वरूप ने केदारनाथ धाम कीयात्रा व्यवस्थाओं व आगामी मानसून सीजन की तैयारियों को लेकर जिला सभागार में समीक्षा बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए कि यात्रा को लेकर अधिकारी कर्मचारी जिम्मेदारी से कार्य करें जिससे यात्री सुखद संदेश देवभूमि से लेकर जाए। उन्होंने आपदा की स्थिति में राहत व बचाव कार्यों के लिए आवश्यक राशन सामग्री, ड्राई राशन के पैकेट तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में गढ़वाल आयुक्त ने बैठक में यात्रा मार्ग पर स्थापित शौचालयों, पेयजल, विद्युत, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, शटल सेवा व मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने शौचालयों में स्वच्छता, पर्याप्त सफाई कार्मिकों की तैनाती, सफाई सामग्री व पानी की उपलब्धता के निर्देश दिए। उन्होंने सेक्टर मजिस्ट्रेटों के माध्यम से नियमित निरीक्षण कराने को कहा। उन्होंने मध्यमहेश्वर व दूरस्थ संवेदनशील क्षेत्रों में साइनेज, चेतावनी बोर्ड व आवश्यक बैरिकेडिंग लगाने, सोनप्रयाग व अन्य यात्रा प्रवेश स्थानों पर भीड़ प्रबंधन को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भ्रामक सूचनाओं व अफवाहों की रोकथाम करनी जरूरी है। बैठक में डीएम विशाल मिश्रा बताया कि यात्रा शुरू होने के बाद अब तक 10 लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा केदार दर्शन कर चुके हैं। बैठक में सीडीओ राजेंद्र सिंह रावत, एडीएम श्याम सिंह राणा, एसडीएम सोहन सिंह सैनी, सीएमओ डॉ. राम प्रकाश, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. आशीष रावत, ईई एनएच ओंकार पांडे, जिला पूर्ति अधिकारी केएस. कोहली, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार आदि उपस्थित रहे।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्रवेश जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जयन्त प्रतिनिधि, कोटद्वार, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी द्वारा प्रवेश जागरूकता एवं प्रचार प्रसार कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार में छात्र–छात्राओं के लिए आगामी प्रवेश संबंधित जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।विश्वविद्यालय की टीम ने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे विविध पाठ्यक्रमों की महत्वपूर्ण जानकारियाँ विद्यार्थियों तथा शिक्षकों तक पहुँचाईं।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डी. एस. नेगी, केंद्र संयोजक डा. राखी डिमरी सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे, जिन्होंने इस जागरूकता अभियान को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।कार्यक्रम के अगले चरण में विश्वविद्यालय की टीम द्वारा राजकीय महाविद्यालय जयहरीखाल में छात्र–छात्राओं को विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारियां प्रदान की, कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रो कमल देवलाल ने छात्रों को विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों

प्रवेश प्रक्रिया तथा दूरस्थ शिक्षा की विशेषताओं के बारे में विस्तार से जानकारियां दी तथा छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करते हुए शिक्षा के महत्व पर चर्चा की। इस अवसर पर राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जयहरीखाल अध्ययन केंद्र की समन्वयक डॉ. प्रीति रावत तथा अन्य प्राध्यापक मौजूद रहे। इस प्रचार अभियान में प्रमुख रूप से विश्वविद्यालय की टीम के सदस्य प्रो. कमल देवलाल, डा. एस . कुंजवाल तथा डा.प्रदीप पंत ने विश्वविद्यालय की ओर से प्रतिभाग किया तथा कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारियां प्रदान की।

मुख्यमंत्री की नीति घाटी को सौगात, सीमांत पर्यटन विकास हेतु कई महत्वपूर्ण घोषणाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जनपद चमोली की नीति घाटी में 31 मई से 2 जून तक आयोजित 'नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन' के पुरस्कार वितरण समारोह में वर्चुअल माध्यम से जुड़ते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने क्षेत्र में पर्यटन विकास को नई गति देने हेतु कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमांत क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय लोगों की आजीविका सुदृढ़ करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

इसी क्रम में जनपद चमोली के नीति, मलारी, कोशा, फरकिया, बाम्पा, गुरगुटी, कैलाशपुर एवं महरगांव में सामुदायिक सहभागिता आधारित पर्यटन को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अंतर्गत सामुदायिक होम स्टे निर्माण के साथ ग्रामीण पर्यटन हेतु आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि नीति घाटी के विभिन्न गांवों एवं प्रमुख पर्यटक स्थलों पर पर्यटकों की सुविधा के लिए साइनज एवं व्यू प्वाइंट विकसित किए जाएंगे। इसके

अतिरिक्त जनपद चमोली के रिमखिम एवं बाड़ाहोती क्षेत्र में बॉर्डर टूरिज्म को विकसित करने के उद्देश्य से 'सीमा दर्शन केंद्र' का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि ग्राम गमशाली स्थित दुग्फूधार मैदान में आधारभूत सुविधाओं का विकास कराया जाएगा, जिससे क्षेत्र में साहसिक पर्यटन एवं बड़े आयोजनों को बढ़ावा मिल सके। मुख्यमंत्री की इन घोषणाओं से नीति घाटी सहित पूरे सीमांत क्षेत्र में पर्यटन, रोजगार एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।

एसीएमओ के लिखित आश्वासन के बाद किया धरना स्थगित

नई टिहरी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थत्यूड़ में गायनोलॉजिस्ट की तैनाती और अल्ट्रासाउंड शुरू करने की मांग को लेकर कांग्रेस युवा मोर्चा के साथ जनप्रतिनिधियों ने अस्पताल परिसर में धरने पर बैठे। एसीएमओ डॉ बृजेश डोभाल के लिखित आश्वासन पर उन्होंने धरना स्थगित कर दिया।

सामाजिक कार्यकर्ता अमित बडियारी, ब्लॉक प्रमुख सीता पंवार, पूर्व ज्येष्ठ उप प्रमुख महिपाल सिंह रावत ने कहा कि सीएचसी में लंबे समय से विशेषज्ञ डॉक्टरों के पद रिक्त चल रहे हैं। अल्ट्रासाउंड की सुविधा न होने से गर्भवती महिलाओं और मरीजों को 35 किमी दूर मसूरी जाना पड़ता है। क्षेत्र के लोग लंबे समय से सीएचसी में मानकों अनुरूप डॉक्टरों की नियुक्ति की मांग कर रहें हैं लेकिन नियुक्ति नहीं हो पा रही है। अस्पताल में मानकों के अनुरूप सफाई कर्मी न होने से सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

धरने पर बैठे लोगों से वार्ता के लिए एसीएमओ डॉ. डोभाल वार्ता के लिए पहुंचे। उन्होंने आश्वासन दिया कि पीजी की पढ़ाई करने के गए डॉक्टरों के लौटने के बाद प्राथमिकता से सीएचसी में डॉक्टरों की नियुक्ति कर दी जाएगी। जब तक स्थायी रूप से डॉक्टरों की तैनाती नहीं हो जाती है तब तक माह में दो दिन जिला अस्पताल से विशेषज्ञ डॉक्टरों को सीएचसी थत्यूड़ में सेवाएं देने के लिए भेजा जाएगा। साथ ही दो सप्ताह के भीतर सफाई कर्मी की नियुक्ति की जाएगी। इस मौके पर सदस्य क्षेत्र पंचायत अनीश कुमार, निधि बडियारी, लक्ष्मी नौटियाल, दिनेश रावत, अनिल बंधानी, बचन सिंह पंवार, मुकेश कुमार, चेतन प्रसाद नौटियाल, राम प्रकाश चमोली, विजय गुसाईं आदि मौजूद रहे।

ऑलवेदर रोड से प्रभावित ने लगाई मकान–दुकान देने की गुहार

नई टिहरी। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता दरबार में काफी भीड़ उमड़ी। डीएम नितिका खंडेलवाल ने दूर–दराज से आए लोगों की समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। दरबार में पेयजल, पुनर्वास, मुआवजा और पेंशन से संबंधित शिकायतें दर्ज कराई गई। अधिकारियों को समयबद्धता के साथ समस्याओं का निस्तारण करने के निर्देश दिए गए।

जनता दरबार में पहुंचे सौंग बांध प्रभावित एवं विस्थापित विकास समिति के अध्यक्ष रविंद्र सिंह, सचिव बलवीर सिंह ने सौंग बांध प्रभावितों और विस्थापितों परिवारों को पूर्ण मुआवजा देने, पुनर्वास और अन्य देय लाभ शीघ्र प्रदान करने की मांग उठाई। चंबा पालिका सभासद शक्ति जोशी ने चंबा–पुरानी टिहरी रोड, ऋषिकेश रोड और धरासू रोड की खस्ताहाल स्थिति में सुधार करने, शिव मंदिर मोड़ और ब्लॉक रोड से मसूरी रोड को जोड़ने वाले मोड की स्थिति सुधारने की मांग की। गराकोट की प्रधान रीना देवी ने वंचित परिवारों को जल जीवन मिशन के तहत पेयजल कनेक्शन दिलाने की मांग की। रौंगाड निवासी कौंसा देवी ने ऑलवेदर रोड में गए मकान और दुकानों का मुआवजा देने की मांग की। बागी जिला पंचायत सदस्य दर्शनी रावत ने बादशाहीथौल–रानीचौरी पैदल मार्ग की मरम्मत करने और नई टिहरी पंपिग पेयजल योजना के पैदल रास्तों में खुले में पड़े पाइपों का दबान करने की मांग की।

प्रकृति संपदा के प्रति किया जागरूक

चमोली। उत्तराखंड पर्यटन विकास समिति और टूरिस्ट एंड हॉस्पिटैलिटी स्किल काउंसिल ने लोहाजंग में 15 दिवसीय नेचुरलिस्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम में 40 स्थानीय युवाओं ने प्रतिभाग किया जिन्हें कार्यक्रम के समापन पर प्रमाणपत्र दिए गए।कार्यशाला में युवाओं को जैव विविधता, वन्यजीव संरक्षण, पक्षी पहचान, स्थानीय वनस्पतियों, पर्यटन प्रबंधन, प्राथमिक उपचार और सुरक्षा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया गया। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद की अपर निदेशक पूनम चंद ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को प्रकृति संपदा के प्रति जागरूक करना था। मुख्य प्रशिक्षक प्रदीप तोपाल ने प्रकृति संरक्षण, आजीविका और पर्यटन विकास में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

सौंग बांध प्रभावितों ने विस्थापन की मांग उठाई

नई टिहरी। सौंग बांध प्रभावित एवं विस्थापित विकास समिति रगड़ गांव ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर बांध प्रभावित सौंदाणा, घुड़साल एवं रगड़ गांव के पूर्ण रूप से प्रभावित परिवारों का विस्थापन करने और आंशिक प्रभावितों को उचित मुआवजा देने की मांग की। मांगों का जल्द समाधान न होने ग्रामीणों ने आंदोलन की चेतावनी दी।

सौंग बांध प्रभावित एवं विस्थापित विकास समिति के अध्यक्ष रविंद्र पंवार सचिव बलवीर सिंह कंडारी ने डीएम को सौंपे ज्ञापन में कहा कि गत 8 वर्षों उनकी मांगों पर सुनवाई नहीं हो पा रही है जिससे ग्रामीण परेशान है। ग्रामीण लगातार विस्थापन और मुआवजे की मांग करते आ रहे हैं। बांध के कारण विस्थापित होने वाले ग्रामीणों को अभी तक भूखंड आवंटित किए गए हैं। प्रभावितों को सिंचित खेती मुआवजा के सर्किल रेट 2 से ढाई लाख रुपये मुआवजा निर्धारित किया गया है। कहा कि गत वर्ष सौंग नदी में आई आपदा से सौंदाणा गांव का आधा से अधिक भाग आपदा में बह गया जबकि घुड़साल गांव और रंगड़ गांव भी प्रभावित हुए हैं। बांध के कारण 40 परिवार पूर्ण और करीब 250 परिवार आंशिक रूप से प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने बांध प्रभावित प्रत्येक परिवार को पुनर्वास नीति के तहत परियोजना में रोजगार देने, प्रभावित को बढ़ी हुई दरों से मुआवजा देने सहित अन्य मांगों के निराकरण की मांग की। कहा कि बांध के कारण को ग्रामीणों को मूलभूत सुविधा जैसे पेयजल, स्वास्थ्य और शिक्षा से वंचित कर दिया गया है। कई ऐसे परिवार है जिनकी 50 प्रतिशत से अधिक जमीन परियोजना के लिए अधिग्रहण की जा चुकी है उन्हें पुनर्वास नीति के तहत पूर्ण विस्थापन की श्रेणी में शामिल किया जाना चाहिए।

बच्चों को नई सोच विकसित करने के लिए किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : विकासखंड जयरीखाल के राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज जयहरीखाल में चल रहे समर कैंप के छठवें दिन सोमवार को कैंप में पीएम श्री राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय एवं राजीव गांधी अभिनव विद्यालय जयहरीखाल के बच्चों ने प्रतिभाग किया। कैंप प्रधानाचार्य सुदीप कुमार जखवाल के दिशा निर्देशन में चल रहा है। छठवें दिवस पर संगीत शिक्षक दिनेश कुमार पाठक, विकास कुमार ने वाद्य यंत्र ढोल दमाउ, हुड़के के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। शिक्षक महिपाल रावत ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बच्चों को अपने सपनों के प्रति जागरूक रहने, नई सोच विकसित करने और कठिनाईयों का सामना करने के लिए प्रेरित किया। शिक्षिका विनीता पांडेय ने छात्रों को भोजन की आदतों के बारे मे जानकारी दी गई। इस अवसर पर शिक्षक डॉ. सुरेंद्र प्रसाद, जगदीप उनियाल, पंकज ध्यानी, हरीश कुमार, अंकिता द्विवेदी, आत्मा राम, सीआरपी निशा बलूनी, जाह्नवी ध्यानी, सविता रावत आदि मौजूद रहे।

समर कैंप में बच्चे सीख रहे संगीत, कला, क्रॉफ्ट के गुर

लैंसडौन : विकासखंड जयहरीखाल के बालिका इंटर कालेज लैंसडौन में चल रहे समर कैंप के छठवें दिन समाजसेवी अभ्युदय परिवार की संयोजिका भावना वर्मा ने कहा कि इस प्रकार के कैंप आयोजित होने से छात्र-छात्राओं के चहुमुखी एवं सर्वांगीण विकास तो होता ही है एवं छात्र-छात्राओं को बहुत कुछ सीखने को मिलता है। मंच मिलने से बच्चों में अभिव्यक्ति एवं आत्म विश्वास की वृद्धि होती है,यह समर कैंप विद्यालय की प्रधानाचार्य भगवती सिंह की देख रेख में चल रहा है। बीआरसी समन्वयक चंद्रमोहन सिंह रावत ने बताया कि राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज जयहरीखाल और बालिका इंटर कालेज लैंसडौन में यह सात दिवसीय कैंप आयोजित हो रहा है जिसमें छात्र-छात्राओं को अंग्रेजी, संस्कृत भाषा, हिंदी भाषा। कुमाऊंनी बोली की विस्तृत जानकारी सांकेतिक भाषा के माध्यम से दी जा रही है। साथ में संगीत, गायन, कला, क्रॉफ्ट आदि जानकारी इन दिनों में छात्र-छात्राओं को दी गई। खंड शिक्षा अधिकारी जयहरीखाल डॉ. सुरेन्द्र सिंह नेगी ने समर कैंप के सफल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शिक्षिका मीना अधिकारी, दीक्षा पांडेय, सीआरपी सुमित शाह, सुमित कुमार, तरुछाया, चंद्रकला आदि मौजूद रहे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

यूक्रेन की कोस्त्युक ने हराया

चार बार की चैंपियन इगा स्वियातेक फ्रेंच ओपन से बाहर

महिला अंपायर पर कमेंट करने वाले खिलाड़ी पर जुर्माना

पेरिस (एजेंसी)। फ्रेंच ओपन 2026 के विमेंस सिंगल्स में सोमवार को बड़ा उलटफेर हुआ। यूक्रेन की 15वीं वरीय मार्ता कोस्त्युक ने चार बार की चैंपियन और तीसरी वरीय इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से हराकर बाहर कर दिया। मुकाबला 1 घंटा 39 मिनट चला।दूसरी ओर महिला अंपायर पर कमेंट करने वाले पैराग्वे के एडोल्फो डेनियल वायेहो पर जुर्माना लगाया गया है।

पुरुषों में ज्वेरेव जीते, कैस्पर रूड बाहर -पुरुष एकल वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने जेस्पर डी जोंग को सीधे सेटों में हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

कोस्त्युक का मैच स्वितोलिना होगा

क्वार्टर फाइनल में कोस्त्युक का सामना यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना से होगा। स्वितोलिना ने स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनसिच को हराकर अंतिम-8 में जगह बनाई। इस मुकाबले की विजेता ओपन एरा में फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली यूक्रेनी महिला खिलाड़ी बनेगी।एक अन्य मैच में रोमानिया की सोराना सिर्स्तेआ ने चीन की वांग शियू को 6-3, 7-6 (4) से हराकर 17 साल बाद रोलां गैरो के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। यह उनके करियर का तीसरा ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है। अब उनका सामना रूस की मीरा एंड्रीवा से होगा। एंड्रीवा ने जिल टाइखमान को 6-3, 6-2 से हराया।

ब्राजील के युवा खिलाड़ी जोआओ फोन्सेका ने कैस्पर रूड को 7-5, 7-6 (6), 5-7, 6-2 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

पीएसजी बना यूरोप का बादशाह, पेनल्टी शूटआउट में आर्सेनल को हराकर जीता खिताब

एरिना (एजेंसी)। बुडापेस्ट के पुस्कास एरिना में खेले गए रोमांचक चैंपियंस लीग फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने आर्सेनल को पेनल्टी शूटआउट में हराकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम कर लिया। शनिवार को खेले गए इस मुकाबले में निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त समय समाप्त होने तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर थीं। इसके बाद विजेता का फैसला पेनल्टी शूटआउट से किया गया। शूटआउट में पीएसजी ने 4-3 से जीत दर्ज की। मैच का निर्णायक पल तब आया जब आर्सेनल के डिफेंडर गैब्रियल मैगालहेस अपनी टीम की आखिरी पेनल्टी को गोलपोस्ट के ऊपर मार बैठे। उनकी यह चूक आर्सेनल पर भारी पड़ गई और पीएसजी ने खिताब जीत लिया। पूरे मैच के दौरान दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। आर्सेनल ने पीएसजी को कड़ी चुनौती दी, लेकिन पेनल्टी शूटआउट में फ्रांसीसी क्लब ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए ट्रॉफी अपने नाम कर ली। इस जीत के साथ पीएसजी ने लगातार दूसरी बार चैंपियंस लीग का खिताब जीतकर यूरोपीय फुटबॉल में अपनी बादशाहत कायम रखी।

आरसीबी ने लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब जीतने के बाद लिया बड़ा फैसला

नहीं निकलेगी विजय परेड

अहमदाबाद (एजेंसी)। पिछले साल की भगदड़ और 11 लोगों की मौत को ध्यान में रखते हुए रॉयल चैलेंज बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार दूसरी खिताबी जीत के लिए विजय परेड नहीं निकालने का फैसला किया है। रॉयल चैलेंजर्स ने रविवार को यहां गुजरात टाइटन्स को 5 विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल का खिताब जीता। आरसीबी ने यह निर्णय कर्नाटक के नवनियुक्त मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह को ध्यान में रखते हुए भी लिया जो लोक भवन में आयोजित किया जाएगा। पिछले साल चार जून को जल्दबाजी में निकाले गए विजय जुलूस के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास 11 प्रशंसकों की मौत हो गई थी। आरसीबी के एक सूत्र ने कहा, बेंगलुरु में किसी भी प्रकार का जश्न मनाने की संभावना बहुत कम है। कुछ दिशानिर्देश निर्धारित हैं और हमें उनका पालन करना होगा। इस बीच बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त सीमंथ कुमार सिंह ने कहा, हम किसी भी प्रकार के सार्वजनिक समारोह की अनुमति नहीं देंगे। यदि कोई जश्न मनाना चाहता है तो वह घर के अंदर मना सकता है।

आरसीबी पर पैसों की बारिश, जीटी भी मालामाल

चैंपियन बेंगलुरु को 20 करोड़,गुजरात को 12.50 करोड़ मिले,वैभव सूर्यवंशी को 5 अवॉर्ड से 45 लाख और कार मिली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का समापन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की शानदार जीत के साथ हुआ। 31 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस (जीटी) को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल ट्रॉफी अपने नाम की। इस जीत के साथ टीम ने इतिहास में अपना नाम और भी मजबूत कर लिया। खिताब के साथ-साथ आरसीबी पर इनामी राशि की भी बारिश हुई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस सीजन में भी करोड़ों रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की, जिससे शीर्ष टीमों और खिलाड़ियों को बड़ा आर्थिक लाभ मिला।

एक-दो नहीं, वैभव सूर्यवंशी ने जीते 5 अवॉर्ड्स

अहमदाबाद (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के शुरू होने से लेकर खत्म होने तक एक नाम जो सुर्खियों में बना रहा वह है वैभव सूर्यवंशी। छोटी उम्र में प्रतिभा के साथ-साथ उसे इस्तेमाल करने की कला ने सूर्यवंशी को कई रिकॉर्ड्स तोड़ने में मदद की और अवॉर्ड्स पर अपना दबदबा बनाने में कामयाब किया। सूर्यवंशी को एक-दो नहीं बल्कि कुल पांच ऑवर्ड्स मिले जिसमें मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीज़न, सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीज़न, ऑरेंज कैप विनर और सुपर सिक्सेस ऑफ द सीजन शामिल है। बिहार में जन्मे 15 साल के इस बल्लेबाज ने राजस्थान रॉयल्स के लिए एक शानदार टूर्नामेंट खेला। उन्होंने सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के तौर पर टूर्नामेंट खत्म किया और 237.30 के जबरदस्त स्ट्राइक रेट से कुल 776 रन बनाए। सूर्यवंशी के 72 छक्के एक आईपीएल सीजन में किसी भी अन्य बल्लेबाज से कही ज्यादा है। पिछला रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम था जिन्होंने एक आईपीएल सीजन में 59 छक्के लगाए थे।

मुझे टेस्ट क्रिकेट खेलना है, वैभव सूर्यवंशी ने गावस्कर के सामने बताया भविष्य का लक्ष्य

आईपीएल 2026 में अपने धमाकेदार प्रदर्शन से क्रिकेट जगत का ध्यान खींचने वाले राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपने करियर को लेकर बड़ा बयान दिया है। महज 15 साल की उम्र में ऑरेंज कैप जीतने वाले वैभव ने स्पष्ट कर दिया है कि उनका अंतिम लक्ष्य सिर्फ टी20 क्रिकेट तक सीमित नहीं है, बल्कि वह भारतीय टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं। आईपीएल 2026 फाइनल के बाद अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर से बातचीत के दौरान वैभव ने अपने भविष्य की योजनाओं और लाल गेंद क्रिकेट के प्रति अपने जुनून के बारे में खुलकर बात की।

लाल गेंद से भी कर रहे हैं जमकर तैयारी - वैभव सूर्यवंशी ने खुलासा किया कि लोग उन्हें सिर्फ टी20 क्रिकेट का आक्रामक बल्लेबाज समझते हैं, लेकिन वह लंबे समय से लाल गेंद से भी अभ्यास कर रहे हैं।उन्होंने कहा, अभी अगला असाइनमेंट वनडे फॉर्मेट में है, इसलिए मुझे मैदान पर जाकर तैयारी करनी होगी।

आईपीएल 2026 अवॉर्ड्स लिस्ट

- फाइनल का 'प्लेयर ऑफ द मैच' - विराट कोहली
- सीजन का 'इमर्जिंग प्लेयर' - वैभव सूर्यवंशी
- सीजन का 'सुपर स्ट्राइकर' - वैभव सूर्यवंशी
- सीजन के 'सुपर सिक्सेस'- वैभव सूर्यवंशी
- सीजन की ग्रीन डॉट बॉल्स - मोहम्मद सिराज
- सीजन का बेस्ट कैच - मनीष पांडे
- फेयरप्ले अवॉर्ड - पंजाब किंग्स
- पर्पल कैप - कगिसो रबाडा
- ऑरेंज कैप - वैभव सूर्यवंशी
- मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर -वैभव सूर्यवंशी

व्यक्तिगत पुरस्कारों में छाए वैभव सूर्यवंशी

- ऑरेंज कैप विजेता - वैभव सूर्यवंशी- 10 लाख
- पर्पल कैप विजेता - कगिसो रबाडा- 10 लाख
- मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर (एमवीपी) - वैभव सूर्यवंशी- 10 लाख
- इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन - वैभव सूर्यवंशी- 20 लाख

भारतीय फुटबॉल फैंस के लिए खुशखबरी

लाइव देख पाएंगे फीफा विश्व कप के मैच, ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर मिला

नई दिल्ली(एजेंसी)। फीफा विश्व कप 2026 के शुरू होने में दो हफ्तों से भी कम का समय बचा हुआ है। अब आखिरकार टूर्नामेंट को भारत में ऑफिसियल ब्रॉडकास्टर मिल गया है। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने फीफा के साथ विश्व कप के आठ साल के मीडिया राइट्स के लिए समझौता कर लिया है। फीफा विश्व कप 2026 का आयोजन कनाडा, अमेरिका और मैक्सिको में होना है। 2026 के साथ ही 2030 फीफा विश्व कप का प्रसारण भी जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड के पास रहेगा। इसके साथ ही 2027 और 2031 महिला फीफा विश्व कप के राइट्स भी इसमें शामिल हैं। फीफा और जी डील पक्की हो गई है, लेकिन इसकी कीमत का पता नहीं चला है।

फीफा विश्व कप 2026 में 48 टीमें

युवाओं के लिए सबक है विराट की पारी...

फाइनल में कोहली के तूफान के बाद बचपन के कोच राजकुमार शर्मा का बड़ा बयान

नई दिल्ली(एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को लगातार दूसरा आईपीएल खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाने वाले दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली की चौतरफा तारीफ हो रही है। इसी कड़ी में उनके बचपन के कोच राजकुमार शर्मा ने कोहली की इस ऐतिहासिक पारी को युवा क्रिकेटरों के लिए एक बेहतरीन सबक बताया है। शर्मा का मानना है कि आईपीएल फाइनल में इस स्टार बल्लेबाज के शानदार प्रदर्शन ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में सिर्फ अंधाधुंध ताकत का इस्तेमाल ही सब कुछ नहीं है, बल्कि मजबूत तकनीक और धैर्य का भी कोई सानी नहीं है।

अच्छी तकनीक और धैर्य ही सफलता की कुंजी - राजकुमार शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि क्रिकेट के किसी भी फॉर्मेट में लंबी रेस का घोड़ा बनने के लिए तकनीक और मानसिक मजबूती सबसे ज्यादा जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, अगर आपके पास बेहतरीन तकनीक और मजबूत जज्बा है, और आप दबाव की स्थिति में भी मैदान पर अपना धैर्य नाए रख सकते हैं, तो आपको सफलता जरूर मिलेगी। यही वह खूबी है जो विराट इतने लंबे समय से अपनी फ्रेंचाइजी के साथ-साथ भारतीय क्रिकेट टीम के लिए लगातार करते आ रहे हैं। वह आज के युवाओं के लिए एक आदर्श उदाहरण हैं कि आधुनिक टी20 क्रिकेट को कैसे समझदारी से खेला जाता है।

फाइनल में कोहली का विराट प्रदर्शन - आपको बता दें कि इस फाइनल मुकाबले में जब आरसीबी लक्ष्य का पीछा करने उतरी, तो विराट कोहली ने शुरू से ही मोर्चा संभाल लिया था। उन्होंने मैदान के चारों तरफ क्लासिक क्रिकेटिंग शॉट्स खेले और टूर्नामेंट की अपनी सबसे तेज फिफ्टी भी ठोकी।

- **सिर्फ छक्के मारने का नाम टी20 नहीं** - गुजरात टाइटंस के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में विराट कोहली ने महज 42 गेंदों पर नाबाद 75 रनों की जांबाज पारी खेली, जिसमें 9 चौके और 3 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। उनकी इस पारी की बदौलत आरसीबी ने 156 रनों का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। कोहली की इस मैच जिताऊ पारी पर खुशी जाहिर करते हुए कोच राजकुमार शर्मा ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, आज के युवा खिलाड़ियों के लिए विराट की यह पारी एक बड़ा सबक है। युवाओं को यह समझना होगा कि टी20 प्रारूप केवल पावर हिटिंग या हर गेंद पर छक्के मारने तक ही सीमित नहीं है।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम का ऐलान

नई दिल्ली(एजेंसी)। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। शिमरोन हेटमायर की वनडे टीम में वापसी हुई है। माना जा रहा है कि अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए ही हेटमायर को वनडे टीम में जगह दी गई है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि हेटमायर तीसरे और आखिरी मैच से पहले टीम में शामिल होंगे। टीम में तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की भी वापसी हुई है, जो जुलाई 2025 से पीठ की चोट के कारण बाहर थे। इसके साथ ही गुडाकेश मोती को भी जगह दी गई है, जो नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में नहीं खेल पाए थे।

डैरेन सैमी ने कही ये बात - सैमी के अनुसार, वेस्टइंडीज की कोशिश निडर, लेकिन समझदारी भरा क्रिकेट खेलने की है और टीम अपनी एक मजबूत पहचान बनाना चाहती है। कोच ने आगे कहा कि उनका लक्ष्य घरेलू मैदान को टीम का मजबूत किला बनाना है, जहां विरोधी टीमों के लिए जीत हासिल करना मुश्किल हो। इसके लिए वह चाहते हैं कि पूरी टीम मिलकर लगातार अच्छा प्रदर्शन करे और जीत में अहम योगदान दे। टीम किसी एक खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन पर निर्भर रहने के बजाय सामूहिक प्रयास से सफलता हासिल करना चाहती है। उन्होंने बताया कि पिछले 18 महीनों से टीम इसी सोच के साथ काम कर रही है। 3, 6 और 8 जून को श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे मुकाबलों के बाद दोनों टीमें जमैका में ही तीन टी20 इंटरनेशनल मैच खेलेंगी, जिसके बाद एंटीगुआ में दो टेस्ट मैच भी खेले जाएंगे।

इंजरी के बाद जोसेफ का कमबैक

जोसेफ पीठ की चोट से उबरने के बाद पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद अपना पहला इंटरनेशनल मैच खेलने मैदान पर उतरेंगे। यह सीरीज 3-8 जून को जमैका के सबीना पार्क में होगी। इस मुकाबले के साथ वेस्टइंडीज 2027 वनडे विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने के अपने अभियान की अहम शुरुआत करेगा। वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी ने कहा कि श्रीलंका एक मजबूत और अनुशासित वनडे टीम है। उनके खिलाड़ी हालात के अनुसार धैर्य और समझदारी से खेलना जानते हैं। उन्होंने कहा कि यह सीरीज उनकी टीम के लिए अपने खेल का स्तर तय करने का अच्छा मौका है।